सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-223 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 01 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सु-विचार

" बुरा वक्त ही सिखाता है कि अच्छा वक्त किसके साथ बिताना है।..!!

अज्ञात...

CGPSC 2025 : मेंस का रिजल्ट जारी

265 पदों के लिए 608 को इंटरव्यू कॉल

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 का रिजल्ट आज जारी कर दिया है। जारी प्रेस नोट के अनुसार मुख्य परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर कुल 608 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। यह भर्ती राज्य शासन के विभिन्न विभागों में 265 पदों पर होनी है।

6 से 9 जून तक हुई थी परीक्षा

प्रीलिम्स में सफल 3,921 अभ्यर्थियों के लिए मेंस परीक्षा 6, 7, 8 और 9 जून 2026 को आयोजित की गई थी। वगर्वार और उपवगर्वार न्यूनतम अहर्कारी अंक हासिल करने वाले 608 अभ्यर्थी इंटरव्यू में पहुंचे हैं।

21 सितंबर से शुरू होगा इंटरव्यू

आयोग के अनुसार इंटरव्यू 21 सितंबर 2026 से शुरू होने की संभावना है। शॉर्टलिस्ट सभी अभ्यर्थियों को आयोग की आधिकारिक वेबसाइट http://psc.cg.gov.in पर दिए गए लिंक से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इंटरव्यू की तारीख, शेड्यूल और दस्तावेजों से जुड़ी विस्तृत जानकारी आयोग अलग से जारी करेगा।

पटवारी के घर ED का छापा, हड़कंप

दुर्ग। जिले के सिकोलाबस्ती में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) की टीम ने छापेमारी की। यह छापा पटवारी कमलेश सिंह के घर पर पड़ा है। बताया जा रहा है कि कमलेश सिंह की दो बेटियां पटवारी, एक बेटा नायब तहसीलदार और एक बेटी उप पंजीयक (रजिस्ट्रार) के पद पर हैं और पूरा परिवार एक ही घर में रहता है। कमलेश सिंह इस समय भाजपा प्रकोष्ठ के संयोजक भी हैं और छत्तीसगढ़ पटवारी संघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। सूत्रों के अनुसार एऊकी टीम ने आय से अधिक संपत्ति और वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों को खंगाला है। कारर्वाई के दौरान घर के बाहर सुरक्षा बल तैनात रहे। फिलहाल एऊ की ओर से आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

CGPSC घोटाले में बड़ी राहत : आरती वासनिक और ललित गनवीर को सुप्रीम कोर्ट से नियमित जमानत

नई दृष्टिबिंदु /नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित उञ्छ्ररउ कथित घोटाला मामले में तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक और तत्कालीन उप परीक्षा नियंत्रक ललित गनवीर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है।

माननीय न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने दोनों अधिकारियों को नियमित जमानत प्रदान कर दी हैं। पेपर लीक और रिश्तेदारों को चयनित कराने के आरोप में इन्हें गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी का आरोप था कि आरती वासनिक ने कोलकाता की प्रिंटिंग कंपनी से आए प्रश्नपत्रों की कॉपी कर अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के परिवार और उद्योगपति श्रवण गोयल के परिवार तक पहुंचाई थी।

इससे पहले हाईकोर्ट ने इस मामले को हत्या से भी जघन्य बताते हुए जमानत खारिज कर दी थी। वहीं इससे पहले अक्टूबर 2024 में टामन सोनवानी के बेटे नितेश, भतीजे साहिल, शशांक गोयल और भूमिका कटियार को भी सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

IAS दिव्या मित्तल के इस्तीफे के बाद मिर्जापुर की सियासत गरमाई, अनुप्रिया पटेल से टकराव की चर्चाएं तेज

समथर्कों में चर्चा है कि वह मिर्जापुर से राजनीतिक पारी शुरू कर सकती हैं

आलोक तिवारी /लखनऊ

यूपी कैडर की 2013 बैच की चर्चित कअर अधिकारी दिव्या मित्तल ने 13 साल की सेवा के बाद 30 अगस्त को इस्तीफा दे दिया है। वह फिलहाल राजस्व विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात थीं।

साधारण परिवार से आने वाली दिव्या ने IIT दिल्ली और क्क्व्ट बेंगलुरु से पढ़ाई की। 2007-08 में लंदन में JP Morgan में एसोसिएट के तौर पर नौकरी की। सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट में उन्होंने लिखा - "मेरी पढ़ाई, आत्मविश्वास सब इस मिट्टी का कर्ज था, वो कर्ज चुकाना था।" इस्तीफा पत्र में उन्होंने देवरिया, संत कबीर नगर और मिर्जापुर में उव्ट के कायर्काल को याद किया।

उन्होंने लिखा - "देवरिया ने सिखाया सही के साथ खड़ा होना कर्तव्य है, मिर्जापुर ने सिखाया असंभव कोई तथ्य नहीं बस एक राय है।" माँ विंध्यवासिनी और लहुरियादह की पहाड़ी पर पानी पहुंचने के बाद एक बुजुर्ग माँ के आशीर्वाद का जिक्र भी उन्होंने किया।

मिर्जापुर से कनेक्शन और सियासी कयास

दव्या मित्तल 17 सितंबर 2022 को मिर्जापुर की उव्ट बनी थीं। यहाँ लहुरियादह में 75 साल बाद पानी पहुंचाने के काम से वह काफी लोकप्रिय हुईं थीं। समथर्कों में चर्चा है कि वह मिर्जापुर से राजनीतिक पारी शुरू कर सकती हैं। इसी के साथ केंद्रीय मंत्री और मिर्जापुर सांसद अनुप्रिया पटेल से उनके कथित मतभेदों की पुरानी चर्चा फिर गरमा गई है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि अनुप्रिया पटेल के कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल को लेकर विवाद हुआ था और उसके बाद उनका तबादला कर दिया गया था। हालांकि इस दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। खुद दिव्या मित्तल ने सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु के विशेष संवाददाता से बातचीत में कहा है कि उनका इस्तीफा किसी तात्कालिक कारण से नहीं है और उन्होंने फिलहाल राजनीति में जाने से इनकार किया है। अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ समथर्कों की अटकलें हैं या मिर्जापुर में वाकई बड़ा सियासी खेल होने वाला है, यह आने वाला वक्त बताएगा।

क्यूसीएफआई भिलाई के 17वें चैप्टर कन्वेंशन में सुरक्षा पर विशेष जोर

सेल-बीएसपी की 'आकर्षण' टीम बनी बेस्ट ऑफ द कन्वेंशन

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया (दउत्र्क्ष) भिलाई चैप्टर द्वारा श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस में 17वें चैप्टर कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स (उउदउ-2026) का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष कन्वेंशन का मुख्य फोकस इंडस्ट्री में सुरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने और इंटीग्रेटेड सेफ्टी सर्कल की संकल्पना पर रहा।

उद्घाटन और पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कायर्पालक निदेशक (प्रोजेक्ट्स) पी.के. सरकार, गंगाजली एजुकेशन सोसाइटी के चेयरमैन आई.पी. मिश्रा, बीआरपी के यूनिट हेड विशाल शुक्ला, सेफी चेयरमैन एन.के. बंछोर और मनोरमा इंडस्ट्रीज के सीईओ संदीप अग्रवाल मंचस्थ रहे। संचालन दउत्र्क्ष पीआरओ सत्यवान नायक ने किया।

सेफ्टी पोस्टरों का विमोचन

कार्यस्थल पर व्यवहार आधारित सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए 4 विशेष सुरक्षा पोस्टरों का विमोचन किया गया। इनका कॉन्सेप्ट व डिजाइन सत्यवान नायक ने तैयार किया, जिसमें बोकारो स्टील प्लांट के सुरक्षा अभियंता अमित धमर्दास बडोले का सहयोग रहा। सभी टीमों को ये पोस्टर निःशुल्क वितरित किए गए।

प्रतिष्ठित संस्थानों की भागीदारी.

कन्वेंशन में सेल-बीएसपी, डीएसपी, आरएसपी, बीएसएल, आईएसपी, हिंडालको, बाल्को और मनोरमा इंडस्ट्रीज सहित देश के प्रमुख औद्योगिक संस्थानों की टीमों ने इंटीग्रेटेड सेफ्टी सर्कल, लीन क्वालिटी सर्कल और काइजन श्रेणियों में रिकॉर्ड प्रस्तुतियां दीं।

.बीएसपी की आकर्षण टीम अव्वल

नॉलेज टेस्ट में सेल-बीएसपी की 'आकर्षण' टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर "बेस्ट ऑफ द कन्वेंशन" का खिताब जीता। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को गोल्ड और सिल्वर अवार्ड दिए गए कायर्पालक निदेशक पी.के. सरकार ने कहा कि सुरक्षा के बिना क्वालिटी की कल्पना असंभव है। आयोजन समिति में सचिव जी.पी. सिंह के नेतृत्व में सुनील त्रिवेदी, वी.के. चौधरी, जनार्दन राव सहित अन्य का योगदान रहा।

भूपेश बघेल के PA रहे केके चंद्रवंशी के 2 ठिकानों पर ED की दबिश

टीम दस्तावेजों और अन्य जरूरी सामान की जांच कर रही है

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर/भिलाई

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निज सहायक रहे केके चंद्रवंशी के घर आज सुबह प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने दबिश दी। सूत्रों के अनुसार एऊकी टीम सुबह करीब 6 बजे 2-3 गाड़ियों से दो ठिकानों - रायपुर के कमल विहार कुरुद में रउ्ट के भाई के निवास और भिलाई तीन की विश्व बैंक कॉलोनी स्थित मकान पर पहुंची

टीम दस्तावेजों और अन्य जरूरी सामान की जांच कर रही है। कारर्वाई के दौरान घर के बाहर पुलिस बल भी तैनात किया गया है। सुबह-सुबह एऊके पहुंचने से इलाके में हड़कंप मच गया। फिलहाल एऊ की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह कारर्वाई किस मामले से जुड़ी है। आधिकारिक जानकारी आने के बाद ही जांच का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

चक्काजाम की सूचना पर मौके पर पहुंचे महापौर मधुसूदन यादव, ग्रामीणों को दिया आश्वासन

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव।

तुमड़ीलेवा, भाटागांव और भेड़ीकला के ग्रामीणों द्वारा चक्काजाम की सूचना पर महापौर मधुसूदन यादव रविवार को गठूला पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। ग्रामीणों की सड़क संबंधी परेशानी पर महापौर ने अधिकारियों को 3 दिन के भीतर सड़क के गड्ढे भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश खत्म होते ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण का काम शुरू कराया जाएगा। वहीं भेड़ीकला स्कूल में शिक्षकों की कमी की शिकायत पर महापौर ने सोमवार को स्वयं स्कूल जाकर बच्चों और शिक्षकों से मिलने और जल्द शिक्षकों की व्यवस्था का आश्वासन दिया।

टीम दस्तावेजों और अन्य जरूरी सामान की जांच कर रही है

प्रदेश संगठन मंत्री ने ली भाजपा जिला कार्यसमिति पदाधिकारियों की बैठक

संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु /बेमेतरा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय का आज भाजपा जिला कार्यालय बेमेतरा पहुंचने पर भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू ने आत्मीय स्वागत किया। इसके पश्चात प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय ने जिला कार्यसमिति एवं संगठन के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की और आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष अजय साहू ने प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय को बेमेतरा जिले की भौगोलिक एवं राजनीतिक स्थिति की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों, संगठनात्मक संरचना, कार्यकर्ताओं की सक्रियता तथा क्षेत्र की राजनीतिक परिस्थितियों से अवगत कराया।

प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय ने बैठक में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता एवं मजबूत बूथ संगठन हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखने तथा नियमित रूप से संगठनात्मक बैठकों के आयोजन पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

बैठक में जिला से लेकर मंडल एवं बूथ स्तर तक संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की गई। आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं अभियानों की तैयारियों, कार्यकर्ताओं को दायित्वों के प्रभावी निर्वहन तथा आपसी समन्वय के साथ पार्टी की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा हुई। २२२२पवन साय ने कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने दायित्वों का गंभीरता और सक्रियता के साथ निर्वहन करे तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने का कार्य करे। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से सतत संवाद एवं संपर्क स्थापित कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ समितियों की सक्रियता, मंडल स्तर पर नियमित बैठकों एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश संगठन मंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य रूप से संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही जिला प्रभारी हर्षिता पांडेय प्रहलाद रजक अवधेश चंदेल लाभ चंद बाफना ईश्वर साहू दीपेश साहू ओम प्रकाश जोशी राजेंद्र शर्मा पोषण वर्मा अंजय बघेल प्रणीश रजक हर्ष तिवारी राजेश जैन महेश साहू युवराज ठाकुर केशव साहू धर्मेंद्र साहू कल्पना योगेश तिवारी प्रज्ञा निर्वाणी एवं अनेक भाजपा जिला संगठन के पदाधिकारी एवं जिला कार्यसमिति के सदस्य उपस्थित रहे।

भिलाई, रिसाली और चरोदा निगम के वार्डों का आरक्षण 9 सितंबर को

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग,

जिले के तीन नगर निगमों भिलाई, रिसाली और भिलाई-चरोदा के वार्डों का आरक्षण 9 सितंबर को होगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने छत्तीसगढ़ नगर पालिका (एससी, एसटी, पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए वार्डों का आरक्षण) नियम 1994 के तहत आदेश जारी किया है जारी कार्यक्रम के अनुसार वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया सेक्टर-6 स्थित कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में होगी। सुबह 11 बजे से नगर निगम भिलाई, दोपहर 3 बजे से नगर निगम रिसाली और शाम 5 बजे से नगर निगम भिलाई-चरोदा के वार्डों के आरक्षण की कारर्वाई की जाएगी।

साइकिल पोलो के 61 पदक विजेता खिलाड़ियों को मिला राज्य खेल अलंकरण में हुआ सम्मान

साइकिल पोलो में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का किया शानदार प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

राष्ट्रीय खेल दिवस पर राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय खेल अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। समारोह में साइकिल पोलो के 61 पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उपमुख्यमंत्री व खेलमंत्री अरूण साव व दुर्ग लोकसभा सांसद एवं छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय बघेल की उपस्थित में खिलाडियों को सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के संयुक्त सचिव एवं साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व संयुक्त सचिव विनायक चन्नावार तथा बीएसपी साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि राज्य खेल अलंकरण समारोह में विगत तीन वर्षों 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के पदक विजेता भिलाई के कुल 61 साइकिल पोलो खिलाड़ियों को खेल दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। यहां साइकिल पोलो में निरंतर उत्कृष्ट

प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। इसी उपलब्धि के के कारण भिलाई के 61 पदक विजेता खिलाड़ियों को राज्य खेल अलंकरण समारोह में सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में सब-जूनियर बालक एवं बालिका, जूनियर बालक एवं बालिका तथा सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग के पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के अनुरूप सम्मान राशि प्रदान की गई। सब-जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता को 10,000, रजत पदक विजेता को 5,000 तथा कांस्य पदक विजेता को 4,000 की सम्मान राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता को 15,000, रजत पदक विजेता को 10,000 तथा कांस्य पदक विजेता को 7,000 की राशि प्रदान की गई। वहीं सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता को 25,000, रजत पदक विजेता को 20,000 तथा कांस्य पदक विजेता को 15,000 की सम्मान राशि से सम्मानित किया गया।

इस उपलब्धि पर बीएसपी साइक्लिंग क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के अध्यक्ष डॉ. रमेश श्रीवास्तव, साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव तोशेंद्र वर्मा ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि भिलाई सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है तथा राज्य में साइकिल पोलो के विकास और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए यह सम्मान निश्चित रूप से प्रेरणादायी सिद्ध होगा। साइकिल पोलो संघ के सभी पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य के खिलाड़ी आने वाले समय में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ और देश का नाम गौरवान्वित करेंगे।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विभिन्न दलों के कप्तान

सब जूनियर बालक : भावेश निर्मलकर
सब जूनियर बालिका : कुमारी गुंजन साहू
जूनियर बालक वर्ग : पंकज सिन्हा
जूनियर बालिका वर्ग : कुमारी इशिता सिन्हा, सीनियर पुरुष :रोहन टांडी
फेडरेशन कप पुरुष : चंद्रशेखर साहू
सीनियर महिला वर्ग : कुमारी पूनम देवी
फेडरेशन कप महिला : लक्ष्मी निर्मलकर तथा मिक्स चैंपियनशिपः विकास कुमार
प्रशिक्षक : देव प्रकाश वर्मा, शशांक देशमुख, दुष्यंत बारले व बीना मिश्रा।

खास खबर

संस्कृत भारतीय ज्ञान-विज्ञान परम्परा की आधारशिला : आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान-विज्ञान परम्परा, साहित्य और दर्शन की आधारशिला है। योग-साधना, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण की प्रेरणा आज भी इसी से मिलती है। यह बात शासकीय तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा ने कही।

संस्कृत एवं योग विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. शर्मा ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परम्परा से प्रेरित है और वह संस्कृत के बिना अधूरी है। विज्ञान, गणित, ज्योतिष, भूगोल, खगोल, राजनीति और अर्थशास्त्र का आधार भी संस्कृत ही है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी स्वर्णिम विरासत से जुड़ने का आह्वान किया।अध्यक्षता कर रहे प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिनेष सुराना ने संस्कृत को संस्कृति और ज्ञान परम्परा की आधारभूत भाषा बताया। इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. ए.के. पाण्डेय ने भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में संस्कृत को उपयोगी बताया।

इस अवसर पर आचार्य डॉ. शर्मा ने अपनी पुस्तक "छत्तीसगढ़ में संस्कृत" सभी को भेंट की। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने किया और आभार योग विभागाध्यक्षा डॉ. नीरा सिंह ने व्यक्त किया।

जनदर्शन में 7 नागरिकों ने रखीं अपनी समस्याएं, त्वरित निराकरण के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हर सोमवार आयोजित जनदर्शन में इस बार 7 नागरिकों ने अपनी मांगें और शिकायतें रखीं। निगम आयुक्त सुरुचि सिंह के निर्देश पर निगम सभागार में आयोजित जनदर्शन में उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। लोगों ने मूलभूत सुविधाओं, विकास कार्यों और व्यक्तिगत समस्याओं से जुड़े आवेदन दिए।

उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आवेदनों का परीक्षण और जरूरत पड़ने पर स्थल निरीक्षण कर नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। निगम प्रशासन ने कहा कि जनदर्शन का उद्देश्य नागरिकों और निगम के बीच सीधा संवाद स्थापित कर शिकायतों का समयबद्ध समाधान करना है, ताकि लोगों को कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें।

भोजली की हरियाली और भक्ति के रंग में रंगा रिसाली

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

नई दृष्टिबिंदु /रिसाली

छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा और कृषि संस्कृति के प्रतीक भोजली पर्व का उल्लास रविवार को रिसाली वार्ड-02 रुआबांधा बस्ती में देखने को मिला। लोधी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

ढोल-नगाड़े और भोजली गीतों के बीच विधायक ने भोजली माता की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भोजली कलश लेकर मंगल गीत गाए। अपने उद्बोधन में विधायक चंद्राकर ने कहा कि भोजली केवल त्योहार नहीं, बल्कि मिट्टी, खेती और किसान की आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा

कि लोधी समाज मेहनत और संस्कार का प्रतीक है, संस्कृति जीवित रहेगी तभी समाज मजबूत बनेगा। सरकार का संकल्प गांव-गांव तक विकास, किसानों को खाद-बीज और सम्मानजनक दाम पहुंचाना है। उन्होंने हर घर तिरंगा और नशामुक्त युवा अभियान में समाज की भागीदारी का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में विधायक ने मेधावी बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और शिक्षा व संस्कार के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अंत में सामूहिक भोज का आयोजन हुआ। इस अवसर पर रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, दशरथ साहू, पार्षद सारिका साहू, समाज अध्यक्ष दानेश्वर जंघेल सहित बड़ी संख्या में समाजजन, महिलाएं और युवा उपस्थित रहे।

पद्मनाभपुर में रामेश्वरम धाम की तर्ज पर बन रहे 108 फीट ऊंचे पंडाल में विराजेंगे गणपति बप्पा

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

पद्मनाभपुर में इस वर्ष गणेश उत्सव का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। श्री दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति द्वारा मिनी स्टेडियम में रामेश्वरम धाम की तर्ज पर 108 फीट ऊंचा विशाल गणेश पंडाल तैयार किया जा रहा है। पंडाल निर्माण में कलकत्ता से आए कारीगर करीब एक माह से जुटे हुए हैं।

समिति के अनुसार पंडाल में 12 फीट ऊंची भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। गणपति जी का 21 पवित्र नदियों के जल से जलाभिषेक किया जाएगा। श्रद्धालुओं को प्रतिदिन 1008 रुद्राक्ष तथा रामेश्वरम के 22 तीर्थ कुंडों के जल का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

रामसेतु और धनुषकोडी के होंगे दर्शन

गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को पंडाल परिसर में रामेश्वरम धाम, धनुषकोडी और रामसेतु के निःशुल्क दर्शन कराने की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा यहां पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के कलाम हाउस की झांकी तथा नशामुक्ति से संबंधित प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

दक्षिण भारतीय और उज्जैन के पंडित कराएंगे पूजन

उत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के लिए दक्षिण भारत और उज्जैन से पंडितों को आमंत्रित किया जा रहा है। इनके द्वारा विधि-विधान से पूजन एवं धार्मिक कार्यक्रम संपन्न कराए जाएंगे। समिति का उद्देश्य गणेश उत्सव के माध्यम से श्रद्धालुओं को धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संदेश से जोड़ना है।

विशाल पंडाल और रामेश्वरम धाम की थीम के कारण इस वर्ष पद्मनाभपुर का गणेश उत्सव शहरवासियों और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनने की उम्मीद है।

हथखोज स्टील कंपनी में हादसे के बाद बड़ी कारर्वाई, सभी क्रेनों का संचालन बंद

दुर्ग हथखोज स्थित स्टील इंफा सॉल्यूशन कंपनी में 19 अगस्त को हुए प्राणांतक हादसे के बाद औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग ने जांच में गंभीर लापरवाही उजागर की है।

हादसे में सीएनसी हेल्पर राजेश कुमार निर्मलकर 40 वर्ष की मौत हो गई थी। 20 अगस्त को सहायक संचालक और टीम ने कारखाने का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि क्रेन का संचालन अधिकृत व्यक्ति की जगह अनस्किल्ड वर्कर से कराया जा रहा था। आई-बीम, चेन और उपकरणों का रखरखाव और नियमित निरीक्षण नहीं हो रहा था। क्रेन की चेन के हुक में सेफ्टी लैच तक नहीं था। विभाग ने बताया कि इसी कारखाने में 24 जनवरी 2026 को भी एडळ क्रेन से प्राणांतक हादसा हुआ था, जिस पर न्यायालय में अभियोजन चल रहा है, फिर भी सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया।

उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा ने उपजीविकाजन्य सुरक्षा संहिता 2020 की धारा 38(1)(क) के तहत कारखाने में लगी सभी एडळ और हाइड्रा क्रेनों का संचालन आगामी आदेश तक बंद करने का निर्देश दिया है। प्रबंधन को सुधारात्मक उपाय और दस्तावेज पेश करने को कहा गया है। साथ ही प्रतिबंध अवधि में श्रमिकों का वेतन व भत्ते समय पर देने के निर्देश दिए गए हैं।

बहन ने किया भाई का अभिनंदन, भाई-बहन ने साथ में साधी मासक्षमण तपस्या

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब दुर्ग में चातुर्मास के दौरान मानव मिलन संस्थापक राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र मुनि महाराज एवं साध्वी श्री लक्ष्मी जी के सानिध्य में धार्मिक गतिविधियां निरंतर जारी हैं।

इसी क्रम में भाई-बहन कुशल एवं ऋषिता द्वारा मासक्षमण की कठिन तपस्या की जा रही है। कुशल ने 30 उपवास पूर्ण कर लिए हैं, वहीं उनकी बहन ऋषिता 26 उपवास की ओर अग्रसर हैं। भाई-बहन की इस साधना से श्रमण संघ में हर्ष का वातावरण है।

इस अवसर पर अमन सुराणा ने 15

उपवास का संकल्प लेकर ऋषिता की तपस्या का अभिनंदन किया। भाई-बहन की यह संयुक्त तपस्या त्याग और पारिवारिक संस्कारों की मिसाल बन रही है। राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र मुनि जी ने कहा कि तपस्या आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग है। भवन में नवकार महामंत्र जप अनुष्ठान भी निरंतर जारी है।

कृष्ण जन्माष्टमी पर 4 सितंबर को दोपहर 1:30 बजे भवन में तीन वर्गों में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में नवकारसी एवं गौतम प्रसादी की व्यवस्था मांगीलाल संचेती परिवार की ओर से की गई थी।

साइबर ठगी से बचाव को लेकर नगपुरा में चलाया साइबर जागृति अभियान

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा परिसर में संचालित प्राकृतिक एवं योगोपचार संस्थान आरोग्यम् नगपुरा के सभागृह में दुर्ग पुलिस की ओर से साइबर जागृति अभियान का आयोजन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस चौकी नगपुरा के प्रभारी खेलन साहू ने उपस्थित नागरिकों को साइबर अपराधों और उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी।

चौकी प्रभारी खेलन साहू ने सरल भाषा में एआई जनरेटेड आवाज, डिजिटल अरेस्ट, म्यूल अकाउंट, फर्जी वीडियो कॉल, ओटीपी शेयरिंग, एपीके लिंक, अनजान कॉल सहित साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों के बारे में समझाया। उन्होंने महिला सुरक्षा, सड़क यातायात नियमों तथा नशे से जुड़े अपराधों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया।

उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी लोगों

को अलग-अलग तरीकों से भयभीत या भ्रमित कर ठगी का शिकार बनाते हैं। ऐसे में किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी या अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए और अनजान लिंक अथवा एपीके फाइल को डाउनलोड करने से बचना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर फ्रॉड हो जाता है तो उसे घबराने के बजाय तत्काल आवश्यक कदम उठाते हुए पुलिस की सहायता लेनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की शिकायत की प्रक्रिया तथा पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता के संबंध में भी जानकारी दी गई। उपस्थित नागरिकों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे, जिनका पुलिस अधिकारी ने समाधान किया।

अभियान में गनियारी-नगपुरा, भेड़सर, अंजोरा और बोरई क्षेत्र के नागरिकों के साथ आरोग्यम के डॉ. दानेश्वर, डॉ. आदित्य, डॉ. दिव्या सहित लक्ष्मीकांत कश्यप बिलासपुर, श्यामानंद उपाध्याय रायगढ़, लक्ष्मीकांत टावरी दुर्ग, अजी मैथ्यू दुर्ग, अकुल ठाकुर भिलाई, राजेश नायर भिलाई, के.आर. साहू कल्याणपुर, रेखा कोठारी अहमदाबाद तथा संस्थान के सचिव संतोष यादव उपस्थित रहे।

व्याख्यान के उपरांत संस्था की ओर से दुर्ग पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

चीन में 25 देशों के कार्टूनिस्टों के बीच सराही गई राव की कला

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट के पूर्व सीनियर मैनेजर और जाने-माने कार्टूनिस्ट बी.वी. पांडुरंग राव के बनाए कार्टून को चीन के तिर्जा टोफू आर्ट म्यूज़ियम में इंटरनेशनल इनविटेशनल एग्जिबिशन (अंतर्राष्ट्रीय आमंत्रण प्रदर्शनी) में प्रदर्शित किया गया। राव को इस प्रदर्शनी में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रदर्शनी में उनके कार्टून और उनकी शानदार उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही आयोजकों की ओर से स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया।

82 वर्षीय पांडुरंग राव इसे अपने लिए एक महत्वपूर्ण सम्मान मानते हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया भर के 25 देशों के 37 प्रमुख कार्टूनिस्टों के बीच भारत से वे इकलौते कार्टूनिस्ट थे जिन्हें इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय

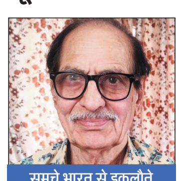

समूचे भारत से इकलौते कार्टूनिस्ट के तौर पर शामिल किए गए राव के कार्टून

प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। यहां कुल मिलाकर 64 कार्टून प्रदर्शित किए गए थे।

उल्लेखनीय है कि भिलाई स्टील प्लांट में सेवा के दौरान शुरूआती दिनों में राव के कार्टून बीएसपी के प्रकाशनों और दैनिक समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित होते थे। वहीं बीएसपी से रिटायर होने के बाद भी उन्होंने अपना जुनून बनाए रखा और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों और सम्मानों के साथ नई ऊंचाइयां हासिल कीं। 1996 से अब तक उन्होंने 350 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय कार्टून प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और कई पुरस्कार जीते हैं। इन दिनों बेंगलुरु में निवासरत राव को उनके काम को 50 से अधिक देशों में प्रदर्शनियों और संग्रहालयों के लिए चुना गया है। उनके नाम 14 लिम्का बुक रिकॉर्ड, 15 इंडिया बुक रिकॉर्ड और 14 वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। हाल ही में, कार्टूनिंग और पर्यावरण जागरूकता में उनके योगदान के लिए उन्हें नई दिल्ली स्थित 'वर्ल्ड कल्चर एंड एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन कमीशन' द्वारा मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया। वे अपनी सभी उपलब्धियों का श्रेय भिलाई स्टील प्लांट और भिलाई के लोगों को देते हैं, जिन्होंने उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान से पर्यावरण संरक्षण का संदेश, मंत्री अग्रवाल ने किया वृक्षारोपण

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, हरियाली बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आज रायपुर स्थित अशोका पाम मीडोज सोसाइटी में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक लोगों से पौधरोपण कर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में राजेश मूणत, अनुज शर्मा, राजीव अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृशक्ति के प्रति सम्मान की भावना से जुड़ा जन-अभियान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अभियान के माध्यम से देशवासियों को अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाने का भावनात्मक और पर्यावरणीय संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि आज बढ़ते शहरीकरण और बदलते पर्यावरणीय परिस्थितियों के बीच वृक्षों का महत्व और भी बढ़ गया है। पेड़ हमें केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि जल संरक्षण, मिट्टी के संरक्षण, तापमान को संतुलित रखने और जैव विविधता को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

श्री अग्रवाल ने कहा कि एक पेड़ लगाना प्रकृति को दिया गया हमारा छोटा-सा योगदान है, लेकिन जब यही संकल्प करोड़ों लोगों का बन जाता है तो इसका प्रभाव बहुत व्यापक होता है। हमें अपने घर, मोहल्ले, गांव और शहर में अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधरोपण करना पर्याप्त नहीं है। लगाए गए पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों, सामाजिक संगठनों, युवाओं और विभिन्न संस्थाओं से अभियान से जुड़ने की अपील की। आज लगाया गया एक पौधा आने वाले वर्षों में छांव, स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण का आधार बनेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों को पौधरोपण से जोड़ना चाहिए।

प्रकृति संरक्षण के साथ पर्यटन विकास को भी मिलेगा लाभ

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संपदा से समृद्ध राज्य है। यहां के घने वन, नदियां, जलप्रपात, पहाड़ और जैव विविधता पर्यटन की बड़ी ताकत हैं। पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति को संरक्षित रखते हुए पर्यटन स्थलों का विकास करना राज्य की प्राथमिकताओं में शामिल है। हरित और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने से पर्यटकों को बेहतर प्राकृतिक अनुभव मिलेगा और स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार एवं आजीविका के अवसर भी बढ़ेंगे।

खास खबर

एक घंटा खेल के मैदान में अंतर्गत साइक्लिंग गतिविधि का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय खेल गतिविधियों के अंतर्गत एक घंटा खेल के मैदान में एवं खेलेगा भारत, जीतेगा भारत की थीम पर साइक्लिंग गतिविधि (संडे ऑन साइकिल) का आयोजन किया गया। साइक्लिंग गतिविधि का शुभारंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल जी ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से साइक्लिंग रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। हरी झंडी दिखाए जाने के साथ ही विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार के प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ साइक्लिंग यात्रा प्रारंभ की। लगभग 5 किलोमीटर की साइक्लिंग यात्रा प्रशासनिक भवन से प्रारंभ होकर इंजीनियरिंग कॉलेज, संगीत वाटिका, एग्रीकल्चर म्यूजियम, कॉलेज कैंपस एवं आवासीय परिसर होते हुए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सम्पन्न हुई।

साइक्लिंग गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने फिटनेस, स्वास्थ्य, अनुशासन एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. संजय शर्मा, डॉ. प्रवीण वर्मा, डॉ. जी.पी. आयाम, डॉ. एच.के. सिंह, सूबेदार मेजर गोवर्धन शर्मा, डॉ. राम कुमार ठाकुर सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, शिक्षकगण तथा एनएसएस स्वयंसेवक अमर सोनकर, मुकेश एवं सनत साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

भिलाई-3 में जिला एवं परिवार न्यायालय कैंप कोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन

संक्षिप्त वीडियो के जरिए नई न्यायिक सुविधा की झलक भी दिखाई गई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नागरिकों को सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भिलाई-3 में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय तथा परिवार न्यायालय (कैंप कोर्ट) का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने पोटफीलियो जज न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी की उपस्थिति में वर्चुअल उद्घाटन किया। इस दौरान एक संक्षिप्त वीडियो के जरिए नई न्यायिक सुविधा की झलक भी दिखाई गई।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भिलाई-3 तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है, जहां जनसंख्या के साथ विधिक जरूरतें भी बढ़ रही हैं। नए न्यायालयों की स्थापना मुख्य न्यायाधिपति की नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की परिकल्पना का प्रतिबिंब है।

मुख्य न्यायाधिपति ने कहा कि इससे न्याय वितरण में सुगमता और पहुंच बढ़ेगी। विशेष रूप से परिवार न्यायालय कैंप कोर्ट शुरू होने से पारिवारिक विवादों के पक्षकारों को स्थानीय स्तर पर सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम का समापन परिवार न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश सुमन एक्का के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कोरबा में डॉक्टर की संदिग्ध मौत शादी टूटने से तनाव में थे

नई दृष्टिबिंदु /कोरबा।

ईएसआईसी अस्पताल में पदस्थ 30 वर्षीय डॉक्टर एल्विन का शव स्टाफ क्वार्टर से बरामद होने से सनसनी फैल गई। डॉक्टर सुबह ओपीडी ड्यूटी पर नहीं पहुंचे तो कर्मचारियों को शक हुआ। क्वार्टर में जाकर देखा तो वे मृत मिले। हाथ पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि डॉक्टर का कोयंबटूर की युवती से दो साल से प्रेम संबंध था। दोनों की मुलाकात कोचिंग के दौरान हुई थी। 11 अगस्त को वे कोयंबटूर गए, पालक्काड के चर्च में शादी के लिए आवेदन भी दिया था, लेकिन विवाद के बाद रिश्ता टूट गया। इसके बाद से वे तनाव में थे। डॉ. एल्विन केरल के पालक्काड के रहने वाले थे, कोयंबटूर से एमबीबीएस किया था। एक साल पहले ही कोरबा में पदस्थ हुए थे। तीन दिन पहले ही उन्होंने माता-पिता को तबीयत खराब बताकर बुलाया था। सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि प्रेम संबंध और शादी टूटने के एंगल पर जांच जारी है। परिजनों के बयान लिए जा रहे हैं।

दनगरी वाटरफॉल में फंसे 7 पर्यटक घंटों की मशक्कत के बाद रेस्क्यू

नई दृष्टिबिंदु /कोरबा।

जशपुर। जिले के दनगरी वाटरफॉल में रविवार को बड़ा हादसा टल गया। नदी के तेज बहाव में 7 पर्यटक फंस गए, जिन्हें घंटों की मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। पर्यटक वाटरफॉल घूमने पहुंचे थे। नदी पार कर जाने के दौरान अचानक पानी का बहाव तेज हो गया और वे बीच में ही फंस गए। जान पर बन आई, वीडियो में संघर्ष साफ दिखा। दनगरी वाटरफॉल अपनी खूबसूरती के चलते तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, रोज सैकड़ों पर्यटक पहुंच रहे हैं, लेकिन सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग केस : अटैच संपत्ति के बदले FD की मांग खारिज

नई दृष्टिबिंदु /बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने ईडी द्वारा अटैच की गई 6 अचल संपत्तियों के बदले 4.36 करोड़ रुपये की एफडी को वैकल्पिक सुरक्षा के तौर पर स्वीकार करने की याचिका खारिज कर दी। मामले की सुनवाई रविवार को जस्टिस बिभू दत्त गुरु की सिंगल बेंच में हुई।

याचिकाकर्ता ऋषभ सोनी और एक अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि ईडी ने जिन 6 संपत्तियों को अटैच किया है, वे अपराध से सीधे अर्जित नहीं हैं, बल्कि ढटछअ की धारा 2(1)(४) के तहत समकक्ष मूल्य के रूप में अटैच की गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि संपत्तियों की कुल कीमत 4 करोड़ 36 लाख 5 हजार 780 रुपये के बराबर एफडी जमा करने को तैयार हैं, जिससे ईडी का हित भी सुरक्षित रहेगा और उनका कारोबार भी प्रभावित नहीं होगा।

ईडी ने इसका कड़ा विरोध किया। एजेंसी ने कोर्ट में कहा कि ढटछअ एक्ट या 2013 के नियमों में अटैच अचल संपत्ति को अपनी मर्जी से एफडी से बदलने का कोई सामान्य कानूनी अधिकार नहीं है। नियम 5 केवल विशेष परिस्थितियों में ही लागू होता है और उसमें भी एफडी स्वीकार करना अनिवार्य नहीं है।

हाईकोर्ट का फैसला

दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि अटैच संपत्ति के बदले एफडी देने का कोई सामान्य अधिकार कानून में नहीं दिया गया है। केवल वित्तीय या व्यावसायिक परेशानी का हवाला देकर संपत्ति बदलने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती। कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं के पास ढटछअ की धारा 42 के तहत अपीलीय ट्रिब्यूनल में अपील का वैधानिक विकल्प मौजूद है, ऐसे में संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत रिट याचिका दायर करना उचित नहीं है। इन आधारों पर कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया।

पॉवर कंपनी से 11 अधिकारी-कमर्चारियों की भावभीनी विदाई

प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने सेवानिवृत्त कमियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के 11 अधिकारी-कर्मचारियों को रविवार को भावभीनी विदाई दी गई। मुख्यालय डंगनिया स्थित सेवा भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने सेवानिवृत्त कमिर्यों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उनके सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि सभी का योगदान कंपनी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। सहायक प्रबंधक वित्त एवं लेखा रमेश चंद्र अग्रवाल, मुख्य अभियंता मानव संसाधन में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी शेष कुमार सोनी व कमल कुमार भंवर, मुख्य अभियंता उपकेंद्र कार्यालय में पदस्थ सी आर रामचंद्रन, कार्यपालन अभियंता उपकेंद्र में पदस्थ वरिष्ठ पयर्वेक्षक परीक्षण सुशील कुमार शील व रमेश कुमार वर्मा, भिलाई में कार्यरत वरिष्ठ पयर्वेक्षक बसंत कुमार साहू, लाइन सहायक श्रेणी-दो दुलारराम यादव, लैब टेक्नीशियन सावित्री राय तथा जगदलपुर में कार्यरत लाइन सहायक श्रेणी-एक आर गुरवैया व सिविल परिचारक कस्तुराम नाग।

राहुल गांधी पर FIR के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, घड़ी चौक में हल्ला बोल

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

नगर हल्द्वानी में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज ऋक्ष्फ को रद्द करने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई ने सोमवार शाम घड़ी चौक सुपेला में हल्ला बोल प्रदर्शन किया जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लेकर पहुंचे और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। चंद्राकर ने कहा कि हल्द्वानी में शुद्धिकरण अनुष्ठान से दलित समुदाय आहत है। जब राहुल गांधी ने इसका विरोध किया तो उनके खिलाफ ही ऋक्ष्फ दर्ज करा दी गई, जो भाजपा की सोची-समझी चाल है। उन्होंने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सुपेला थाना प्रभारी एसएन सिंह को सौंपकर ऋक्ष्फ रद्द करने और दोषियों पर कारर्वाई की मांग की। प्रदर्शन में बृजमोहन सिंह, सीजू एंथोनी, केशव चौबे, नंदकुमार कश्यप, शिखा राय, अली हुसैन सिद्दीकी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

नवलपुर में हुआ एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर

नई दृष्टिबिंदु /बेमेतरा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के निर्देशानुसार ग्राम नवलपुर, जिला बेमेतरा में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, निःशुल्क कानूनी सहायता तथा उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा।

शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लीगल एड डिफेंस काउंसिल, अधिकार मित्र एवं लीगल इंटर्न द्वारा ग्रामीणों को विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों एवं योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में दी गई।

सहायक प्रतिरक्षा अधिवक्ता आयुष शुक्ला ने नालसा (मानव तस्करी एवं व्यावसायिक यौन शोषण के पीड़ितों हेतु विधिक सेवाएं योजना), 2015 के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना मानव तस्करी, जबरन वेश्यावृत्ति, यौन शोषण एवं देह व्यापार के पीड़ित महिलाओं, बच्चों तथा अन्य व्यक्तियों को कानूनी सहायता एवं संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित है। उन्होंने बताया कि ऐसे पीड़ितों को निःशुल्क कानूनी सहायता, न्यायालयीन प्रकरणों में सहयोग, बचाव, सुरक्षा एवं पुनर्वास के लिए सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही पीड़ितों के मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक पुनर्वास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। लीगल इंटर्न निष्ठा ने पॉक्सो अधिनियम के तहत आने वाले पीड़ितों को मिलने वाली कानूनी सहायता एवं अन्य सहयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण प्रदान करने वाले कानून के महत्वपूर्ण प्रावधानों से ग्रामीणों को अवगत कराया। प्रतिरक्षा अधिवक्ता सूरज मिश्रा ने नालसा (एसिड अटैक पीड़ितों को विधिक सेवाएं योजना) के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि एसिड अटैक से प्रभावित पीड़ितों को निःशुल्क वकील एवं कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही मुआवजा प्राप्त करने, उपचार एवं पुनर्वास तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने में भी सहायता प्रदान की जाती है।

संपादकीय

खरगे या कांग्रेस क्यों एफआईआर दर्ज नहीं कराते

राजनीतिक दल कई मुद्दे महज राजनीति के लिए उठाते हैं। वह मुद्दे को लेकर गंभीर नहीं रहते हैं, मुद्दा मिल गया है तो उसे उठा लेते हैं, दूसरे राजनीतिक दल को बदनाम करने के लिए, खुद चर्चा में रहने के लिए। राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी अपनी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के अपमान का मुद्दा तो उठा रहे हैं और पीएम मोदी से मांग कर रहे हैं कि इस मामले में जो कार्रवाई होनी चाहिए वह कार्रवाई की जाए। सवाल उठता है कि जब कांग्रेस व राहुल गांधी कार्रवाई चाहते हैं तो वह खुद क्यों शुध्दीकरण मामले में एफआईआर दर्ज क्यों नही कराते हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी अपने अध्यक्ष खरगे के अपमान को लेकर इतने गंभीर होते तो वह 20 दिन तक इंतजार नहीं करते कि राज्य सरकार या केंद्र सरकार इस मामले में कोई कार्रवाई करेगी। खरगे के अपमान को लेकर कांग्रेस व राहुल गांधी इतने ज्यादा गंभीर होते तो खरगे को कांग्रेस की बैठक में यह नहीं कहना पड़ता कि उनके अपमान के मुद्दे को कांग्रेस नेताओं ने गंभीरता से नहीं लिया। यानी कांग्रेस नेताओं को लगा ही नहीं कि हल्दवानी उनके नेता का अपमान हुआ है।

20 दिन के बाद राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कान्फ्रेंस कर इस मुद्दे को उठा रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि आरएसएस व भाजपा से जुड़े लोगों ने खरगे का अपमान किया है।हुआ यह था कि उत्तराखंड के हल्दवानी के रामलीला मैदान में खरगे के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के बाद मैदान में बने मंच की सफाई कर वहां पर हवन पूजन किया गया तो खरगे व राहुल ने इसे शुध्दीकरण बताते हुए पूरे मामले को छुआछूत का मामला बताया।कांग्रेस उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष के शुध्दीकरण को सही ठहराने पर कहा है कि यह तो छुआछूत का स्पष्ट उदाहरण है।राहुल गांधी का कहना है कि जिन लोगों ने 'शुद्धिकरण' किया, उनके खिलाफ जल्द से जल्द एफआई आर दर्ज की जानी चाहिए, 'अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम' के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए।

वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राहुल गांधी के 'शुद्धिकरण' विवाद पर भाजपा की संलिप्तता से इनकार करते हुए कांग्रेस पर मुद्दाविहीन होने का आरोप लगाया। धामी ने मल्लिकार्जुन खड़गे की जाति के मुद्दे को खारिज कर उत्तराखंड में जातिगत भेदभाव से इनकार किया और कहा कि शुद्धिकरण धार्मिक नारों की प्रतिक्रिया थी। धामी ने कहा है कि शुद्धिकरण करने वालों में कोई भी इखढ कार्यकर्ता शामिल नहीं था, लेकिन क्या उत्तराखंड में किसी को पता है कि मल्लिकार्जुन खड़गे की जाति क्या है ? वहां धार्मिक उन्माद वाले नारे लगाए गए और एक खास धर्म के लोगों ने ऐसा किया। इसके जवाब में कुछ धार्मिक संगठनों ने वहां शुद्धिकरण कार्यक्रम किया।

सीएम धामी के बयान से साफ हो जाता है कि राहुल गांधी जैसा कह रहे हैं, वैसा कुछ नहीं है। रामलीला मैदान में खरगे की सभा के बाद जो कुछ हुआ उससे भाजपा या आरएसएस का कोई लेना देना नहीं है। राहुल गांधी ने जानबूझकर इस मामले में भाजपा व आरएसएस का नाम जोड़ने का प्रयास किया। ताकि भाजपा व आरएसएस के खिलाफ दलितों के बीच यह झूठ फैलाया जा सके कि भाजपा व आरएसएस दलितों का अपमान करते हैं। भाजपा की तरफ से साफ कर दिया गया है राहुल जैसा बता रहे हैं यह मामला वैसा नहीं है। रामलीला मंच की सफाई कर हवन पूजन करने वालों में तो दलित समाज के लोग भी थे, दलित समाज के लोगों के खिलाफ दलित के अपमान का मामला कैसे बन सकता है।कहीं भी कोई आयोजन होता है तो वही कचरा, गंदगी होती है तो उसकी सफाई तो हमेशा होती है, सफाई को कोई शुध्दीकरण कैसे कह सकता है लेकिन जिन लोगों को राजनीति करनी है, वह राजनीति करने के लिए कुछ भी कहते व करते रहते हैं।

राहुल गांधी हमेशा यह साबित करने का प्रयास करते रहते हैं कि वही संविधान व दलितों, अल्पसंख्यकों, जेनजी, महिलाओं के लिए लड़ने वाले हैं और भाजपा आरएसएस इन सबकी विरोधी है, इसलिए उनकी लड़ाई भाजपा व आरएसएस से हैं। वही आरएसएस व भाजपा से लड़ने वाले हैं। यही वजह है प्रेस कान्फ्रेस के दौरान उन्होंने संविधान व आरएसएस के बीच की लड़ाई के अपने आरोपों सही साबित करने के लिए दलितों पर अत्याचार व भेदभाव के मामलों की उल्लेख किया और यहां तक कह दिया कि देश की चाय दुकानों तक में दलितों के लिए अलग कप होता है और बाकी लोगों के लिए दूसरा कप होता है। उनके इस कथन को देश के चायवाले तक झूठ बता रहे हैं। राहुल गांधी जब बोलते हैं तो पता नहीं रहता क्या बोल रहे है, सच बोल रहे हैं या झूठ बोल रहे हैं यही वजह एक जेन जी लड़की साबित कर देती है कि राहुल गांधी ने चार कार्यक्रम में 40 झूठ बोले, जिसमें 29 झूठ व 11 गुमराह करने वाले थे। देश का कोई चायवाला भी उनको दलितों से भेदभाव मामले में झूठा साबित कर देता है।

प्रकृति, रोमांच और लबालब जलराशि का अद्भुत संगम

पर्यटकों की पहली पसंद बना धमतरी, गंगरेल के 'मिनी गोवा' से लेकर रिकॉर्ड जलस्तर तक, धमतरी बन चुका है छत्तीसगढ़ का सबसे प्रमुख टूरिज्म हब

विष्णु प्रसाद वर्मा, सहायक संचालक, रायपुर

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले ने राज्य के पर्यटन मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट और अमिट पहचान बनाई है। धमतरी जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं है। यहां रविशंकर सागर जलाशय गंगरेल बांध सहित एशिया का एकमात्र सायफन सिस्टम वाला माडमसिल्ली, सिहावा का श्रृंगऋषि पर्वत, कर्णेश्वर महादेव, सप्तऋषि, नरहरा जलप्रपात, जबर्रा हिल्स और वनों से आच्छादित नगरी विकासखण्ड लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती है।

कयाकिंग, बोटिंग व अन्य एडवेंचर गतिविधियों ने युवाओं और साहसिक खेल प्रेमियों के लिए खास आकर्षण

मानसून के इस सुहावने मौसम और आगामी त्यौहारों के सीजन में गंगरेल जलाशय, रुद्री डैम, माडमसिल्ली और नरहरा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सैलानियों का भारी तांता लगा हुआ है। शांत जलतरंगें, हरियाली से ढकी सुरम्य पहाड़ियां और कल-कल बहते झरनों का मनोहारी वातावरण देश-प्रदेश से आने वाले पर्यटकों को सुकून के अविस्मरणीय पल बिताने का न्योता दे रहा है। विशेष रूप से गंगरेल और रुद्री डैम में शुरू की गई कयाकिंग, बोटिंग तथा अन्य एडवेंचर वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों ने युवाओं और साहसिक खेल प्रेमियों को खासा आकर्षित किया है। धमतरी अब महज एक पड़ाव न होकर राज्य का एक प्रमुख टूरिज्म हब बनकर उभर चुका है, जहां प्रकृति का अनुपम सौंदर्य और रोमांचक जलक्रीड़ाएं सैलानियों को एक यादगार अनुभव दे रही हैं।

प्रमुख आकर्षण केंद्र और प्राकृतिक विविधता

धमतरी जिला छत्तीसगढ़ में प्रकृति, रोमांच और जल पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। चारों ओर से घने जंगलों, पहाड़ियों और विशाल जलाशयों से घिरे होने के कारण यह सैलानियों को बेहद आकर्षित करता है। जिले के प्रमुख पर्यटन केंद्रों की बात करें तो 'मिनी गोवा' के नाम से प्रसिद्ध गंगरेल जलाशय अपनी विशाल जलराशि, शानदार सूर्यास्त, वॉटर बोटिंग और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए पर्यटकों की पहली पसंद बना हुआ है। इसके निकट ही रुद्री डैम जलक्रीड़ाओं, कयाकिंग और पारिवारिक पिकनिक के लिए अत्यंत शांत, सुरक्षित व मनोरम स्थल के रूप में सप्ताहांत में पर्यटकों से गुलजार रहता है। इसके साथ ही, एशिया के पहले 'साइफन डैम' के रूप में विख्यात माडमसिल्ली बांध अपनी अनूठी स्थापत्य कला और प्राकृतिक शांत वातावरण का अद्भुत अनुभव प्रदान करता है, जबकि घने जंगलों, पहाड़ियों और कलकल करते पानी के बीच स्थित नरहरा जलप्रपात प्रकृति प्रेमियों और ट्रेकर्स के लिए एक आदर्श व सुकून भरा गंतव्य साबित हो रहा है।

धमतरी जिला में समृद्ध जल संपदा

पर्यटन में आई इस अभूतपूर्व उछाल के पीछे इस वर्ष जलाशयों में पर्याप्त और भरपूर जल भराव भी एक मुख्य कारण है। रविशंकर सागर (गंगरेल) जलाशय का कुल जल भराव 90.72% है, जहाँ वर्तमान जलस्तर 347.95 मीटर (1141.62 फीट) दर्ज किया गया है और यहाँ 3548 क्यूसेक की आवक बनी हुई है। इसी प्रकार मुरूमसिल्ली जलाशय 98.82% जलभराव के साथ अपनी कुल क्षमता के बिल्कुल करीब है और इसका जलस्तर 376.22 मीटर (1234.37 फीट) है। दुधावा जलाशय में जल भराव 82.37% (जलस्तर 423.88 मीटर) तथा सोंढूर जलाशय में जल भराव 68.90% (जलस्तर 468.52 मीटर) दर्ज किया गया है, जो इस क्षेत्र की समृद्ध जल संपदा को दर्शाता है।

प्राकृतिक वातावरण और पर्यटन भी बेहद मनोरम

धमतरी और महानदी जलाशय परियोजना के अंतर्गत आने वाले ये सभी प्रमुख बांध पर्याप्त जलराशि से समृद्ध हैं, जिससे न केवल क्षेत्र में सिंचाई और पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है, बल्कि आसपास का प्राकृतिक वातावरण और पर्यटन भी बेहद मनोरम हो उठा है।

स्थानीय युवाओं के लिए गाइड, बोटिंग संचालन, खान-पान और हस्तशिल्प के क्षेत्र में स्वरोजगार व आजीविका के नए द्वार खुले

पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सभी पर्यटन स्थलों पर चाक-चौबंद व्यवस्थाएं की गई हैं। वाटर स्पोर्ट्स के दौरान पर्यटकों के लिए लाइफ जैकेट पहनना और प्रशिक्षित गाइडों की मौजूदगी को अनिवार्य किया गया है, ताकि हर सैलानी पूरी तरह सुरक्षित रहे। इसके साथ ही, पर्यटकों की सुविधा के लिए आधारभूत संरचनाओं का विकास करते हुए सुव्यवस्थित पार्किंग, सुंदर उद्यानों, विश्राम स्थलों, स्वच्छ पेयजल और नियमित साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इन पर्यटन गतिविधियों के निरंतर विस्तार से स्थानीय युवाओं के लिए गाइड, बोटिंग संचालन, खान-पान और हस्तशिल्प के क्षेत्र में स्वरोजगार व आजीविका के नए द्वार खुले हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नया संबल मिल रहा है।

प्रकृति का अनुपम वैभव, साहसिक जलक्रीड़ाएं और जन-सुविधाओं का अनूठा समन्वय

धमतरी जिले में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए, पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ सुरक्षित, स्वच्छ और यादगार अनुभव प्रदान किया जा रहा है। इन प्रयासों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। धमतरी अब छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर केवल एक सामान्य पड़ाव या गंतव्य मात्र नहीं रह गया है, बल्कि एक प्रमुख और जीवंत टूरिज्म हब के रूप में अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर चुका है, जहां प्रकृति का अनुपम वैभव, साहसिक जलक्रीड़ाएं और जन-सुविधाओं का अनूठा समन्वय पर्यटकों को बार-बार यहां आने के लिए आकर्षित कर रहा है।

बढ़ते एच1एन1 संक्रमण : क्या दिल्ली नए स्वास्थ्य संकट की ओर?

महेन्द्र तिवारी

दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हाल के दिनों में एक बेहद संक्रामक विषाणु जनित रोग का प्रकोप तेजी से बढ़ा है जिसे आम भाषा में सूकर ज्वर कहा जाता है। इस जानलेवा ज्वर ने आम जनमानस के साथ ही स्वास्थ्य प्रशासन की चिंताएं बहुत गहरी कर दी हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो अकेले दिल्ली राज्य में अब तक 2300 से अधिक संक्रमित रोगी सामने आ चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस तेजी से फैलते संक्रमण की गंभीरता को देखते हुए दोनों राज्यों के स्वास्थ्य विभागों ने कई आपातकालीन बैठकें आयोजित की हैं और सभी चिकित्सालयों को उच्च सतर्कता अवस्था में रखा है। यह रोग मानव शरीर के श्वसन तंत्र को सबसे अधिक प्रभावित करता है और एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे स्वस्थ व्यक्ति में हवा, सांस और सीधे संपर्क के माध्यम से बहुत ही तेजी से फैलता है।

इस संक्रामक रोग के शुरूआती लक्षण साधारण मौसमी ज्वर से बहुत अधिक मिलते जुलते हैं जिसके कारण अक्सर लोग शुरूआत में इसे अनदेखा कर देते हैं और यह भूल भारी पड़ जाती है। इसके मुख्य लक्षणों में अचानक से बहुत तेज बुखार आना, गले में भयंकर दर्द और खराश रहना, लगातार सूखी खांसी आना और पूरे शरीर में तेज पीड़ा होना शामिल है। संक्रमित रोगियों को अत्यधिक थकान महसूस होती है और उनकी नाक लगातार बहती या बंद रहती है। कई बार छोटे बच्चों के मामलों में उल्टी और दस्त की शिकायत भी मुख्य रूप से देखी जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी रोगी को सांस लेने में भारी कठिनाई हो रही हो, छाती में लगातार दर्द या भारीपन महसूस हो या उसके होंठ और नाखून नीले पड़ने लगें, तो यह स्थिति बेहद गंभीर मानी जाती है। ऐसे रोगियों को बिना कोई समय गंवाए तुरंत किसी योग्य चिकित्सक के पास ले जाना अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

प्रशासन इस संकटपूर्ण स्थिति से निपटने के लिए युद्ध स्तर पर सघन प्रयास कर रहा है। सभी बड़े सरकारी और निजी चिकित्सालयों में संक्रमित रोगियों के उपचार के लिए विशेष पृथक्करण कक्ष तैयार किए गए हैं ताकि यह संक्रमण वहां आने वाले अन्य स्वस्थ लोगों तक बिल्कुल ना पहुंचे। इस विषाणु को नियंत्रित करने वाली विशेष रोगनाशक औषधियों का पर्याप्त भंडार हर जगह सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि समय पर उपचार शुरू किया जा सके। इसके साथ ही रक्त जांच प्रयोगशालाओं की क्षमता भी दोगुनी कर दी गई है जिससे रोगियों की पहचान जल्द से जल्द हो सके।

इस गंभीर संक्रमण से बचाव ही इसका सबसे प्रभावी और सच्चा उपचार है। जब भी घर से बाहर सार्वजनिक जगहों पर निकलें अपने मुंह और नाक को किसी मोटे साफ कपड़े या सुरक्षित मुखावरण से अच्छी तरह ढक कर रखें। अपने हाथों को दिन में कई बार साबुन और स्वच्छ पानी से बीस सेकंड तक धोएं या किसी अच्छे कीटाणुनाशक तरल का उपयोग करें। वातानुकूलित और पूरी तरह से बंद स्थानों पर ज्यादा लोगों के साथ समूह में बैठने से पूरी तरह बचें। शरीर की प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए खट्टे फलों का सेवन अधिक करें, ताजा भोजन खाएं और दिन भर गरम पानी पिएं। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और पहले से किसी गंभीर श्वसन बीमारी से पीड़ित लोगों को इस समय विशेष रूप से अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। हर साल इस विषाणु से बचाव का टीका लगवाना भी एक बेहद समझदारी भरा कदम है।

युवाचार्य महावीर कुमार : अध्यात्म-जगत में एक नवीन युग-संभावना का उद्घाटन

ललित गर्ग

कुछ घटनाएं इतिहास में दर्ज होती हैं और कुछ घटनाएं इतिहास की दिशा बदलने की क्षमता रखती हैं। तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान आचार्य महाश्रमणजी द्वारा मुख्य मुनि महावीर कुमारजी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में युवाचार्य मनोनीत किया जाना ऐसी ही घटना है। 27 जुलाई 2026, आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी को लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा परिसर में हुई यह घोषणा तेरापंथ की लगभग ढाई शताब्दी पुरानी आचार्य-परम्परा में एक नया अध्याय जोड़ने वाली है। लेकिन इस घटना को केवल एक धार्मिक संगठन के भावी नेतृत्व के निर्धारण के रूप में देखना इसके वास्तविक महत्व को सीमित करना होगा। यह मनोनयन साधना की गहराई, ज्ञान की व्यापकता, मानवीय चेतना की ऊष्मा और नेतृत्व की विलक्षण प्रतिभा के एक ऐसे समन्वय की प्रतिष्ठा है, जो आने वाले समय में अध्यात्म को नई भाषा, नई दृष्टि और नया वैश्विक आयाम दे सकता है।

तेरापंथ में युवाचार्य का पद किसी राजनीतिक या प्रशासनिक उत्तराधिकार जैसा पद नहीं है। यहां नेतृत्व अधिकार से नहीं, आत्मानुशासन से अर्जित होता है; प्रतिष्ठा पद से नहीं, साधना से मिलती है; और उत्तराधिकार किसी वंश का नहीं, विचार, मयार्दा, तप और आध्यात्मिक संस्कारों की निरंतरता का होता है। आचार्य श्री महाश्रमण जी ने इसी स्वस्थ परम्परा का निर्वाह करते हुए मुनि महावीर कुमार जी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। इसलिए यह प्रश्न अधिक महत्वपूर्ण है कि मुनि महावीर कुमार जी कौन हैं और उनके युवाचार्यत्व में भविष्य के अध्यात्म की कौन-सी संभावनाएं दिखाई देती हैं?

मुनि महावीर कुमार जी का जीवन इस प्रश्न का उत्तर स्वयं देता है। अल्पायु में दीक्षा ग्रहण करने से लेकर मुख्य मुनि जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व तक की उनकी यात्रा केवल पदों की यात्रा नहीं है। यह आत्मसंयम, स्वाध्याय, तप, अनुशासन, चिंतन और निरंतर आत्मपरिष्कार की यात्रा है। उनके व्यक्तित्व में आध्यात्मिक साधक की गंभीरता के साथ आधुनिक समय को समझने वाले चिंतक की दृष्टि दिखाई देती है। यही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उनके जीवन का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि आध्यात्मिक साधना को उन्होंने ज्ञान से अलग नहीं माना। पर्यावरणीय चिंतन पर उनका शोध और जैन आगमों में पर्यावरणीय दृष्टि का अध्ययन यह संकेत देता है कि उनकी दृष्टि केवल परम्परा के संरक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि परम्परा में निहित उन जीवन-मूल्यों को समकालीन विश्व की समस्याओं से जोड़ने वाली है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार उन्हें जैन आगमों में पर्यावरणीय चिंतन पर शोध के लिए पीएचडी उपाधि भी प्राप्त हुई है। यह तथ्य आज विशेष अर्थ रखता है। दुनिया जलवायु संकट, पर्यावरणीय असंतुलन, हिंसा, मानसिक तनाव और असीमित उपभोग की संस्कृति से जूझ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अपरिग्रह, संयम, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश केवल धार्मिक सिद्धांत नहीं रह जाता, बल्कि मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। यदि अध्यात्म आधुनिक समस्याओं के समाधान से जुड़ता है, तभी वह जीवंत और प्रभावी बनता है।

युवाचार्य महावीर कुमार की संभावित भूमिका इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाती है। उनका व्यक्तित्व हमें यह विश्वास दिलाता है कि आने वाला अध्यात्म केवल मंदिरों, उपाश्रयों और प्रवचन सभाओं तक सीमित रहने वाला अध्यात्म नहीं होगा। वह मनुष्य के मन, परिवार के संस्कार, समाज के चरित्र, पर्यावरण की रक्षा और वैश्विक सह-अस्तित्व से जुड़े प्रश्नों पर भी अपना प्रभाव डालेगा। आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा संकट बाहरी संसाधनों का नहीं, आंतरिक संतुलन का है। मनुष्य के पास ज्ञान बहुत है, लेकिन विवेक कम होता जा रहा है। सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटा है। संपर्क के साधन बढ़े हैं, लेकिन आत्मीयता कम हुई है। स्वतंत्रता का विस्तार हुआ है, लेकिन

आत्मानुशासन कमजोर पड़ा है। आर्थिक विकास ने जीवन को गति दी है, लेकिन उस गति की दिशा पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। ऐसे समय में अध्यात्म की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। मगर ऐसा अध्यात्म, जो जीवन से भागना नहीं सिखाए; बल्कि जीवन को अधिक जागरूकता, संयम, करुणा और उत्तरदायित्व के साथ जीना सिखाए।

युवाचार्य महावीर कुमार जी की साधना की दिशा इसी जीवंत अध्यात्म की ओर संकेत करती है। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता है मानवीय चेतना की ऊष्मा। अध्यात्म तभी प्रभावी होता है जब उसमें मनुष्य के प्रति करुणा हो। केवल ज्ञान मनुष्य को बड़ा विद्वान बना सकता है, लेकिन करुणा उसे बड़ा मनुष्य बनाती है। केवल अनुशासन व्यवस्था पैदा कर सकता है, लेकिन आत्मीयता समाज को जोड़ती है। युवाचार्य महावीर कुमार के व्यवहार में सरलता, सहजता, विनम्रता और आत्मीयता का समन्वय उनकी आध्यात्मिकता को मानवीय धरातल प्रदान करता है। उनकी दृष्टि में धर्म विभाजन की दीवार नहीं, मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाला सेतु बन सकता है। यही दृष्टि आज की विभाजित दुनिया के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आज जाति, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा और आर्थिक विषमता के आधार पर समाजों में दूरी बढ़ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अनेकांत और सह-अस्तित्व केवल दार्शनिक अवधारणाएं नहीं, बल्कि सामाजिक शांति के व्यावहारिक सूत्र बन सकते हैं। युवाचार्य महावीर कुमार जी की भूमिका यहां एक आध्यात्मिक सेतु की हो सकती है-परम्परा और आधुनिकता के बीच, धर्म और समाज के बीच, व्यक्ति और विश्व के बीच तथा आत्मकल्याण और लोकमंगल के बीच। उनके नेतृत्व का सबसे महत्वपूर्ण आयाम युवा चेतना हो सकता है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश भारत में युवा शक्ति यदि चरित्र, विवेक और नैतिकता से जुड़ती है तो वह राष्ट्र के भविष्य को बदल सकती है। लेकिन यदि वही युवा केवल उपभोग, प्रतिस्पर्धा, नशे, आभासी दुनिया और तात्कालिक सफलता की दौड़ में उलझ जाए तो उसकी ऊर्जा विघटनकारी भी बन सकती है।

तेरापंथ की मूल चेतना-अहिंसा, संयम, अनुशासन, अनेकांत, अपरिग्रह और आत्मजागरण-आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। आवश्यकता केवल इतनी है कि इन मूल्यों को आधुनिक मनुष्य की भाषा में, आधुनिक समस्याओं के संदर्भ में और वैश्विक समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रस्तुत किया जाए। यदि ऐसा होता है तो तेरापंथ का प्रभाव केवल धार्मिक अनुयायियों तक सीमित नहीं रहेगा। वह विश्व-चेतना के विमर्श में अपनी विशिष्ट भूमिका निभा सकता है। युवाचार्य का मनोनयन इसलिए एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, एक संभावना का उद्घाटन है। यह संभावना उस अध्यात्म की है जो विज्ञान का विरोध नहीं करता, बल्कि विज्ञान को विवेक देता है; जो विकास को रोकता नहीं, बल्कि विकास को मानवीय बनाता है; जो भौतिक समृद्धि का निषेध नहीं करता, बल्कि उसके साथ संतुलन और संयम की चेतना जोड़ता है; जो धर्म को संकीर्ण पहचान नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों का माध्यम बनाता है।

आज विश्व को किसी नये संघर्ष की नहीं, नई चेतना की आवश्यकता है। उसे ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो सत्ता के बिना प्रभाव पैदा कर सके, संसाधनों के बिना परिवर्तन की प्रेरणा दे सके और किसी पर नियंत्रण किए बिना आत्मानुशासन का मार्ग दिखा सके। संत परम्परा का वास्तविक सामर्थ्य यही है। युवाचार्य महावीर कुमार जी के व्यक्तित्व में यह संभावना दिखाई देती है कि वे तेरापंथ की आध्यात्मिक विरासत को नई पीढ़ी की चेतना से जोड़ते हुए व्यापक मानव समाज तक पहुंचाने वाले प्रभावी संवाहक बनें। उनका युवाचार्यत्व इसलिए केवल तेरापंथ के भविष्य की घोषणा नहीं है। यह अध्यात्म के भविष्य के प्रति एक विश्वास की घोषणा है। यह उस यात्रा का प्रारंभ है जिसमें साधना व्यक्तिगत मुक्ति से आगे बढ़कर लोकमंगल की शक्ति बन सकती है; ज्ञान पुस्तकालयों से निकलकर जीवन का प्रकाश बन सकता है; संयम व्यक्तिगत तपस्या से आगे बढ़कर सामाजिक संतुलन का आधार बन सकता है और अहिंसा केवल सिद्धांत न रहकर वैश्विक जीवन-पद्धति का विकल्प बन सकती है।

आचार्य श्री महाश्रमण जी ने मुनि महावीर कुमार जी को युवाचार्य बनाकर जिस उत्तरदायित्व की धवल चादर ओढ़ाई है, उसमें केवल तेरापंथ की परम्परा का भार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की आशाएं भी समाहित हैं। इस अवसर पर आचार्यश्री ने उन्हें आचार्य श्री भिक्षु की परम्परा को आगे बढ़ाने का प्रयास करते रहने का संदेश दिया। यही इस घटना का सबसे गहरा संदेश है-उत्तराधिकार किसी पद का नहीं, मूल्यों का है। और जब मूल्य किसी ऐसे साधक को सौंपे जाते हैं, जिसके जीवन में साधना की गहराई, ज्ञान की व्यापकता, मानवीय चेतना की ऊष्मा, विनम्रता की ऊंचाई और नेतृत्व की विलक्षण प्रतिभा एक साथ दिखाई देती हो, तब वह घटना केवल एक धर्मसंघ की घटना नहीं रहती बल्कि भारतीय अध्यात्म के एक नये वैश्विक अध्याय के उद्घाटन के रूप में देख सकता है। यही इस घटना की ऐतिहासिकता है। यही इसकी आध्यात्मिक ऊंचाई है। और यही युवाचार्य महावीर कुमार जी से जुड़ी सबसे बड़ी आशा भी-वे स्वयं साधना की ज्योति बनें और उस ज्योति से मनुष्य के भीतर के अंधकार को दूर करते हुए समूचे विश्व की चेतना को करुणा, संयम, अहिंसा और सह-अस्तित्व के प्रकाश से आप्लावित करें।

ब्रिटिश मास्टर्स के कट में पहुंचे भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा

ब्रैबाज़ोन कोर्स (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने चुनौतीपूर्ण मौसम और लगातार बारिश के बावजूद ब्रिटिश मास्टर्स के शुरुआती दो दौर में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले दौर में 69 और दूसरे दौर में 71 का कार्ड खेलकर टूर्नामेंट के कट में आसानी से जगह बना ली।

दो राउंड के बाद शुभंकर का कुल स्कोर चार अंडर है और वह संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर बने हुए हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय गोल्फर ने प्रतियोगिता के अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर ली है।

दूसरे दौर में पांच बर्डी से मजबूत प्रदर्शन

शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर में 71 का कार्ड खेला। इस दौरान उन्होंने दो बोगी की तुलना में पांच बर्डी लगाईं। लगातार बारिश और मुश्किल मौसम की परिस्थितियों के बीच बर्डी हासिल करना उनके शानदार नियंत्रण और धैर्य को दर्शाता है। हालांकि दूसरे दौर में उन्हें कुछ बोगी का सामना करना पड़ा, लेकिन पांच बर्डी की मदद से उन्होंने अपने स्कोर को नियंत्रण में रखा और कट पार करने में सफल रहे।

चुनौतीपूर्ण मौसम में दिखाया धैर्य

ब्रिटिश मास्टर्स के शुरुआती दो दौर के दौरान मौसम खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती बना रहा। बेलफ्राई में लगातार बारिश के कारण परिस्थितियां मुश्किल थीं और खिलाड़ियों को अपने शॉट्स और रणनीति पर अतिरिक्त ध्यान देना पड़ा। ऐसे हालात में शुभंकर ने अपने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। पहले दौर में 69 का स्कोर बनाने के बाद उन्होंने दूसरे दौर में 71 का कार्ड खेला और चार अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष 15 में जगह बनाई।

संयुक्त 13वें स्थान पर शुभंकर

दो राउंड के बाद शुभंकर शर्मा चार अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 13वें स्थान पर हैं। उनका प्रदर्शन उन्हें टूर्नामेंट के अगले चरण में मजबूत स्थिति में रखता है। पहले दौर के 69 और दूसरे दौर के 71 के कार्ड ने उन्हें कट के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अब उनकी कोशिश अगले दौर में इस लय को बरकरार रखते हुए अपनी रैंकिंग में और सुधार करने की होगी।

युवराज संधू के लिए निराशाजनक सप्ताह

वहीं, प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे दूसरे भारतीय गोल्फर युवराज संधू के लिए यह सप्ताह उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने पहले दौर में 71 का कार्ड खेला, लेकिन दूसरे दौर में उनका प्रदर्शन गिर गया और उन्होंने 77 का कार्ड दर्ज किया। दोनों राउंड के बाद युवराज कट हासिल करने में सफल नहीं हो सके और उनका टूर्नामेंट यहीं समाप्त हो गया।

शुभंकर से अब बड़ी उम्मीदें

शुभंकर शर्मा का कट हासिल करना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक खबर है। चार अंडर के कुल स्कोर और संयुक्त 13वें स्थान के साथ वह टूर्नामेंट में अच्छी स्थिति में हैं। लगातार बारिश और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच उन्होंने जिस तरह शुरुआती दो राउंड में प्रदर्शन किया, उससे अब प्रतियोगिता के आगे के चरणों में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। शुभंकर की नजर अब अपनी स्थिति को और मजबूत करने और टूर्नामेंट के अंतिम दौर तक प्रभावी प्रदर्शन करने पर होगी।

अर्जेंटीना की टीम बनी चैंपियन

- महिला हॉकी विश्वकप: नौ बार की चैंपियन नीदरलैंड को शूटआउट में हराया

एम्सटेलवीन, एजेंसी। अर्जेंटीना ने शनिवार को रोमांचक फाइनल में सह-मेजबान नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर महिला हॉकी विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं, जिसके बाद मुकाबले का फैसला शूट आउट से हुआ। अर्जेंटीना ने शूटआउट में संयम दिखाते हुए बाजी मार ली और तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अर्जेंटीना की ओर से विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने गोल किए। वहीं डियाज जो का प्रयास अमान्य करार दिया गया। नीदरलैंड के लिए केवल वीन मारिन गोल कर सकीं, जबकि पियेन सैंडर्स, फेलिस अलबर्स और मोएस फ्रीके अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सकीं।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने पिछली बार की हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। पिछले विश्व कप में नीदरलैंड ने अर्जेंटीना को 3-1 से हराकर खिताब जीता था। खास बात यह है कि अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी नीदरलैंड को हराकर विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की थी। नौ बार की विश्व चैंपियन नीदरलैंड के पास रिकॉर्ड 10वां खिताब जीतने का मौका था, लेकिन अर्जेंटीना ने उसके अभियान पर विराम लगा दिया। लगातार चौथी बार विश्व कप जीतने का डच टीम का सपना भी टूट गया।

यिब्बी के गोल से नीदरलैंड आगे

वेगनेर स्टेडियम में नारंगी रंग से सराबोर दर्शकों के सामने नीदरलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती 15 मिनट में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में नीदरलैंड को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। दुनिया की नंबर एक ड्रैग-फ्लिकर मानी जाने वाली यिब्बी यानसेन ने शानदार ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। यह टूर्नामेंट में उनका आठवां गोल था और नीदरलैंड ने 1-0 की बढ़त बना ली।

ग्रानाटो ने दिलाई बराबरी

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बढ़ाया। उसे कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन नीदरलैंड की अनुभवी गोलकीपर एन्ने वीनेनडाल ने शानदार बचाव करते हुए अर्जेंटीना को बराबरी करने से रोके रखा। अर्जेंटीना ने हमले जारी रखे और मैच के 54वें मिनट में आखिरकार उसे सफलता मिली। गोरजेलानी की फ्लिक को रोकने की कोशिश में डच गोलकीपर फिसल गईं और गोल के पास मौजूद कप्तान मारिया ग्रानाटो ने रिबाउंड पर गेंद को गोल में डाल दिया। स्कोर 1-1 हो गया।

शूटआउट में डच खिलाड़ियों पर दबाव

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक बढ़त हासिल करने की कोशिश की, लेकिन कोई गोल नहीं हुआ। मुकाबला शूटआउट में पहुंचा, जहां अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। नीदरलैंड की ओर से सिर्फ वीन मारिन सफल रहीं। इसके बाद अर्जेंटीना के गोल और डच खिलाड़ियों के चूके प्रयासों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अंततः अर्जेंटीना ने 3-1 से शूटआउट जीतकर तीसरी बार विश्व कप ट्रॉफी उठा ली।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स का बड़ा फैसला

ब्रावो की जर्सी नंबर 47 अब कोई नहीं पहन सकेगा

त्रिनिदाद। कैरेबियन क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने ऐसा सम्मान दिया है, जो कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास में इससे पहले किसी खिलाड़ी को नहीं मिला। फ्रेंचाइजी ने ब्रावो की मशहूर नंबर 47 जर्सी को हमेशा के लिए रिटायर करने का फैसला किया है। टीम ने यह कदम ब्रावो के फ्रेंचाइजी, सीपीएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट में असाधारण योगदान के सम्मान में उठाया।

पहली बार किसी खिलाड़ी की जर्सी रिटायर

जमैका किंग्समेन के खिलाफ मुकाबले से पहले आयोजित समारोह में नाइट राइडर्स ग्रुप के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस फैसले की घोषणा की। इसके साथ ही ब्रावो सीपीएल इतिहास में जर्सी रिटायर होने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। मैसूर ने कहा, 'नाइट राइडर्स और सीपीएल में ड्वेन ब्रावो के योगदान को मापना असंभव है। नंबर 47 को रिटायर करना यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि उनकी विरासत हमेशा इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनी रहे। सीपीएल इतिहास में यह सम्मान पाने वाला उनसे बेहतर खिलाड़ी कोई और नहीं हो सकता।'

पांच बार बने सीपीएल चैंपियन

ब्रावो का सीपीएल करियर खिताबों से भरा रहा है। उन्होंने 2015 के बाद खिलाड़ी के तौर पर कुल पांच सीपीएल खिताब जीते। त्रिनबागो नाइट राइडर्स के कप्तान के रूप में उन्होंने 2017 और 2018 में लगातार दो खिताब दिलाए। इसके बाद 2021 में उन्होंने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की कप्तानी करते हुए टीम को सीपीएल चैंपियन बनाया। ब्रावो ने 2013 से 2024 तक सीपीएल में हिस्सा लिया और इस दौरान त्रिनबागो नाइटराइडर्स तथा सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए कुल 107 मुकाबले खेले।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स के मुख्य कोच हैं ब्रावो

खिलाड़ी के तौर पर फ्रेंचाइजी को ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले ब्रावो अब टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। यानी मैदान पर उनकी जर्सी भले ही रिटायर हो गई हो, लेकिन टीम के साथ उनका रिश्ता अभी भी कायम है। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में ब्रावो तीसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे सुनील नरेन (139 मैच) और इमरान ताहिर (135 मैच) हैं।

पूरन ने बताया 'बिग ब्रदर'

मौजूदा त्रिनबागे नाइटराइडर्स कप्तान निकोलस पूरन ने भी ब्रावो के योगदान को याद किया। फ्रेंचाइजी द्वारा जारी वीडियो में पूरन ने कहा, 'प्रेरणा और आदर्श बनने के लिए धन्यवाद। हम बहुत खुश हैं कि आप हमारे साथ हैं। हमारे बड़े भाई बनने के लिए धन्यवाद। कई मौकों पर पिता की तरह हमारा मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरी जिंदगी में प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद।'

साइकिल चलाते दिखे कोच गंभीर, दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने देश में फिटनेस को बढ़ावा देने वाली सरकार की 'फिट इंडिया' पहल की जमकर सराहना की है। रविवार को दिल्ली में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल विद रन एंड राइड' कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए गंभीर ने कहा कि फिटनेस को केवल किसी एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके मुताबिक, स्वस्थ और फिट नागरिक ही मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव बन सकते हैं।

गौतम गंभीर ने केंद्रीय मंत्री मनसुख एल. मंडाविया और अभिनेत्री मधुरिमा तुली के साथ साइकिलिंग पहल में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने, शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। क्रिकेट के मैदान पर फिटनेस और अनुशासन को बेहद अहम मानने वाले गंभीर ने खुद इस अभियान में शामिल होकर लोगों को सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फिटनेस प्रेमियों और अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया।

गंभीर ने 'फिट इंडिया' पहल को लेकर कहा कि इसका महत्व किसी एक आयोजन से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे एक ऐसे अभियान के रूप में देखने की अपील की, जिसे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। गंभीर ने कहा, 'सरकार की ओर से आयोजित यह फिट इंडिया कार्यक्रम एक शानदार पहल है, क्योंकि मेरा मानना है कि भारत जितना फिट होगा, उतना ही मजबूत होगा और उतना ही अधिक आत्मनिर्भर बनेगा।

छांगटे को 'इंडियन फ़ुटबॉलर ऑफ़ द ईयर 2026' का मिला खिताब

मिज़ोरम के फ़ुटबॉल खिलाड़ी लालियानजुआला छांगटे को साल 2026 का सर्वश्रेष्ठ भारतीय फ़ुटबॉलर चुना गया है। 29 वर्षीय चांगते हाल ही में मुंबई फ़ुटबॉल क्लब से मोहन बागान में शामिल हुए हैं। उन्होंने कल रात भारतीय फ़ुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया से यह सम्?मान मिला है। फ़ुटबॉल प्लेयर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित यह पुरस्कार साथी खिलाड़ियों के वोटों के आधार पर तय किया जाता है।

ईशान किशन को चोट लगी, वैभव सूर्यवंशी ने कप्तानी संभाली

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन का स्कोर- 81/3, रजत पाटीदार 12 रन बनाकर आउट

बेंगलुरु (एजेंसी)। ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल खेला जा रहा है। मैच के पहले ही दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन चोटिल हो गए। इसके बाद 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने टीम की कमान संभाली।

बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में खेले जा रहे मुकाबले में ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। सेंट्रल जोन ने पहले सेशन में 3 विकेट पर 81 रन बनाए। टीम के कप्तान रजत पाटीदार सिर्फ 12 रन बनाकर मुकेश कुमार की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए।

सूर्यवंशी पहली बार कप्तानी कर रहे

सूर्यवंशी ने पहली बार किसी सीनियर पुरुष टीम की कप्तानी संभाली है। सूर्यवंशी का यह सिर्फ दूसरा दलीप ट्रॉफी मैच है। वह अब तक नौ फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 2024 की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी के दौरान इस फॉर्मेट में ऐतिहासिक डेब्यू किया था और वह इस फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हैं।

ईशान किशन की कलाइ 'में लगी गेंद

विकेटकीपिंग करते समय ईशान किशन के दाहिने हाथ की कलाई पर गेंद लगी। फिजियो ने उनकी जांच की। इसके बाद किशन ने मैदान से बाहर जाने का फैसला किया। कुछ देर बाद किशन के हाथ पर स्ट्रैपिंग बंधी दिखाई दी। उनकी जगह कुमार कुशाग्र विकेटकीपिंग कर रहे।

वैभव ने पिछले मैच में 2 विकेट लिए थे

वैभव ने नॉर्थ-ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टरफाइनल में 3 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट लिए थे। हालांकि बतौर बल्लेबाज वे पहली पारी में सिर्फ 8 रन बना सके। ईस्ट जोन ने मुकाबला पारी और 210 रन से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

गावस्कर बोले- टेस्ट में नो-बॉल फेंकने पर जुर्माना लगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने गेंदबाजों को नो-बॉल डालने से रोकने के लिए अनोखा फॉर्मूला दिया है। गावस्कर ने कहा कि हर नो-बॉल पर खिलाड़ी पर जुर्माना लगे और अगली गलती पर इसे दोगुना कर दिया जाए। साथ ही उन्होंने गेंदबाजी कोच को भी आधा जुर्माना देने का सुझाव दिया। गावस्कर ने मिड-डे के अपने कॉलम में लिखा- 'इकट्ठा हुई रकम का इस्तेमाल खिलाड़ियों के अलग होने से पहले होने वाले टीम डिनर में किया जा सकता है।' उन्होंने कहा- ऐसी मजेदार गतिविधि से खिलाड़ियों के बीच रिश्ता और मजबूत होगा। दरअसल श्रीलंका टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाजों ने कुल 20 नो-बॉल डाले। पहले टेस्ट में 7 और दूसरे में 13 नो-बॉल फेंके गए। पिछले 5 साल में रवींद्र जडेजा 88 से ज्यादा नो-बॉल डाल चुके हैं। श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज भारत 1-0 से जीता। कोलंबो में खेला गया दूसरा टेस्ट ड्रॉ रहा था। गावस्कर ने दूसरी गलतियों पर भी जुर्माना लगाने को कहा। उन्होंने लिखा- ओवरथ्रो पर बैकअप न देने जैसी गलतियों पर भी टीम वोटिंग से जुर्माना तय किया जा सकता है।% गावस्कर ने साफ किया कि रन-अप मापने के लिए टेप उपलब्ध रहता है, इसलिए क्रीज से आगे पैर निकलने का कोई बहाना नहीं चलेगा। नो-बॉल की परेशानी पर भारतीय स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले ने मजाक करते हुए कहा था कि इसे रोकने के लिए टेस्ट में भी फ्री-हिट शुरू कर देनी चाहिए। इससे गलती रोकने में मदद मिलेगी। गावस्कर ने बहुतुले के इस विचार को खारिज किया। उन्होंने कहा कि टेस्ट में बल्लेबाजों को मुफ्त के रन देने की बिल्कुल जरूरत नहीं है।

स्पीच देते समय रो पड़े, कहा- यह जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान, 20 ग्रैंड स्लैम जीते

रोड आइलैंड (एजेंसी)। पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर को टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। इस दौरान फेडरर स्पीच देते हुए कई बार भावुक हो गए। 45 साल के फेडरर अपनी स्पीच में विरोधियों, अधिकारियों और प्रशंसकों को याद किया। परिवार और दोस्तों को थैंक्यू कहते समय वे रो पड़े।

अमेरिकी स्टेट रोड आइलैंड के न्यूपोर्ट में शनिवार को हुए समारोह में फेडरर ने कहा- यह मेरी जिंदगी के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। इसे हॉल ऑफ फेम कहा जाता है, लेकिन यश पाना कभी मेरा लक्ष्य नहीं था। मेरा लक्ष्य था कि मैं अपनी जिंदगी उस काम को करते हुए बिताऊं, जिससे मुझे प्यार है और जिन लोगों को भी उससे उतना ही प्यार है, उनके साथ रहूं।

स्विट्जरलैंड के फेडरर ने 2022 में टेनिस से संन्यास ले लिया था। उन्होंने अपने करियर में 20 ग्रैंड स्लैम और 103 एटीपी चैंपियनशिप जीती।

5 हजार हेडबैंड, 7 हजार जोड़ी मोजे पहने

फेडरर ने अपने करियर के कुछ अनोखे आंकड़े शेयर किए। उन्होंने बताया कि 1998 में एटीपी टूर की शुरुआत से लेकर 2022 में संन्यास लेने तक उन्होंने 5,000 से ज्यादा हेडबैंड पहने। फेडरर ने यह भी बताया कि वे मैच के दौरान एक साथ दो-दो मोजे पहनते थे। उन्होंने अपने करियर में 7 हजार से ज्यादा जोड़ी मोजे इस्तेमाल किए।

फेडरर ने अपने सफर को याद करते हुए कहा- 'टेनिस में इस मुकाम तक पहुंचने के अहसास को शब्दों में बयां करना या किसी पैमाने से मापना नामुमकिन है। मेरा सफर बेसल में महज 13 साल की उम्र में एक एटीपी टूर्नामेंट में बॉल बॉय बनने से शुरू हुआ था।'

परिवार को थैंक्यू कहते हुए रो पड़े

फेडरर ने कहा- मैं हर उस बॉल किड को धन्यवाद देना

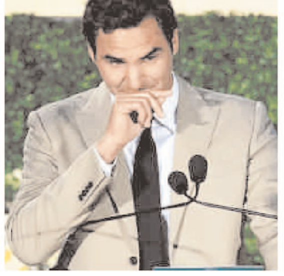

चाहता हूं, जो मेरे किसी भी मैच के दौरान घंटें तक खड़ा रहा। मैं आपको देखता हूं। मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं भी कभी आपकी जगह था।

अपने आदर्श स्टीफन एडबर्ग, टेनिस के दूसरे सितारों, परिवार और करियर में साथ देने वाले स्टाफ का नाम लेते हुए फेडरर की आंखों में आंसू आ गए। इसके बाद उन्होंने मजाक करते हुए कहा- मुझे अभी टिश्यू, धूप के चश्मे और खुद को बचाने के लिए हर चीज की जरूरत है। यह सब बहुत गड़बड़ हो गया है।

टेनिस हमेशा उनकी जिंदगी का हिस्सा रहेगा

फेडरर ने कहा- 'जैसा कि आप देख सकते हैं, मैं अब भी टेनिस को अपना प्रेम पत्र लिख रहा हूं। खिलाड़ी के तौर पर मेरा समय खत्म हो गया है, लेकिन टेनिस हमेशा उन सभी चीजों के बीच रहेगा, जिनकी मुझे सबसे ज्यादा परवाह है।'

उन्होंने कहा- इसमें मेरा परिवार, हमारी दोस्ती, पिछले 40 साल और वह भविष्य शामिल है, जिसे हम बना रहे हैं। मेरे लिए टेनिस ही इन सबका जिम्मेदार है।

2019 में क्वार्टरफाइनल में हारे थे, फिर यूएस ओपन नहीं खेला

फेडरर ने 2019 यूएस ओपन में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था। उन्हें ग्रिगोर दिमित्रोव ने हराया था। उस समय माना जा रहा था कि फेडरर आगे भी न्यूयॉर्क के इस टूर्नामेंट में खेलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वे 2020 यूएस ओपन में नहीं खेले और 2021 में विंबलडन उनका आखिरी ग्रैंड स्लैम रहा। 2022 में उन्होंने प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था।

गनमास्टर जी9 से एक्शन अवतार में लौटे इमरान

इमरान हाशमी की अगली फिल्म 'गनमास्टर जी 9' का टीजर मेकर्स ने मंगलवार को रिलीज कर दिया। फिल्म के टीजर से इमरान ने एक बार फिर अपने फैंस को चौंकाया है। 1 मिनट 22 सेकंड के इस टीजर में एक्टर इस बार रोमांटिक और एक्शन दोनों ही अंदाज में नजर आए हैं।

टीजर में इमरान एक बार फिर धमाकेदार एक्शन करते नजर आए हैं। फिल्म में उनके साथ पहली बार जेनेलिया देशमुख अभिनय करती दिखेंगी। इमरान एक बार अपने इश्क के लिए दुनिया से लड़ते नजर आएंगे। इमरान एक बार फिर हिमेश के म्यूजिक पर रोमांस करते दिख रहे हैं।

क्या अफसाना गाना हुआ री-क्रिएट?
टीजर में एक जगह हिमेश और इमरान के हिट गाने 'अफसाना बना के भूल ना जाना..' का रीक्रिएट वर्जन भी सुनाई देता है। यह गाना 2006 में रिलीज हुई इमरान की फिल्म 'दिल दिया है' का है। इस फिल्म में इमरान के साथ गीता बसरा और अश्मित पटेल नजर आए थे। इसका म्यूजिक भी हिमेश ने ही दिया था।

फिल्म कब होगी रिलीज

फिल्म 'गनमास्टर जी 9' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है। वहीं फिल्म का संगीत हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है। फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट, संगीता अहीर और हुनर मुकुट ने किया है। यह 29 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वापस लौटेगी हिमेश और इमरान की जोड़ी

साल 2000 की शुरुआत में हिमेश रेशमिया के गानों का युवाओं के बीच काफी क्रेज था। वहीं यह गाने जब इमरान हाशमी पर फिल्माए जाते तो फैंस थिरकने पर मजबूर हो जाते थे। उस दौर में दोनों की जोड़ी ने कई सुपरहिट गाने दिए। 'आशिक बनाया आपने' और 'अक्सर' समेत कई गानों ने इस जोड़ी ने हिट बना दिया। अब दोनों एक बार फिर 'गनमास्टर जी9' के साथ वापसी कर रहे हैं।

फिल्म 'गांधारी' के किरदार के लिए मुझे शारीरिक रूप से काफी मेहनत करनी पड़ी

तापसी पन्नू की फिल्म 'गांधारी' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में छाया कदम भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। एक बातचीत के दौरान दोनों एक्ट्रेस ने अपने किरदार और उसकी तैयारी पर खुलकर बात की।

अपने किरदार के बारे में बोलीं छाया?

फिल्म 'गांधारी' में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए छाया कदम ने बताया कि उन्हें इस किरदार को आत्मसात करने के लिए कितनी कड़ी मेहनत करनी पड़ी। फिल्म 'गांधारी' में छाया ने बंगाली भाषी महिला का किरदार निभाया है। वह बोलीं, 'इस किरदार के लिए मुझे बंगाली सीखने का मौका मिला। मुझे यह अनुभव बेहद पसंद आया। 'इस भाषा के होने से किरदार में एक नया आयाम जुड़ गया। यह सफर मेरे लिए और भी यादगार बन गया।'

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने भी फिल्म पर काफी कुछ कहा। एक्ट्रेस ने कहा, 'गांधारी फिल्म देखते समय बानी की हार न मानने की भावना मेरे मन में हमेशा बसी रही, भले ही परिस्थितियां उसके विपरीत थीं। वहीं इस भूमिका के लिए मुझे शारीरिक रूप से काफी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन उसकी दृढ़ता, दृढ़ विश्वास और अटूट हौसला ही वह चीज थी जिसने मुझे सचमुच मंत्रमुग्ध कर दिया।'

क्या है 'गांधारी' की कहानी?

फिल्म 'गांधारी' का निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है। फिल्म में स्वास्तिका मुखर्जी भी अहम किरदार में होंगी। 'लापता लेडीज' के बाद छाया कदम को भी एक बार फिर दमदार अंदाज में देखा जा रहा है। फिल्म का विषय अलग है पर इसे महाभारत से जोड़ा गया है। कहानी एक मां की है, जो अपने बेटी को बचाने के लिए हर हद तक जाने तैयार है। फिल्म 3 सितंबर को नेटफिलक्स पर रिलीज होगी।

'मैक्स, मिन और मियोज्स्की' में मेरा किरदार पिछले किरदारों से काफी ग्लैमरस है

अभिनेत्री विधात्री बंदी ने फीचर फिल्म 'मैक्स, मिन और मियोज्स्की' में कैरोल सेक्वेराका महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने हालिया बातचीत में बताया कि ये किरदार उन्हें किस तरह से मिला है।

उन्होंने बताया कि असल में वे किसी और किरदार के लिए ऑडिशन देने के लिए गई थी। उसी दौरान उन्हें 'कैरोल सेक्वेराका' के किरदार के बारे में पढ़ने का मौका मिला था, जिसके उन्होंने इसे करने के लिए मैनिफेस्ट किया था। उन्होंने कहा, 'असल में, मैं 'मिन' का ऑडिशन देने के लिए गई थी, लेकिन जब मुझे फिल्म का सारांश दिया गया, तो मैंने उसमें कैरोल सेक्वेराका के बारे में पढ़ा था। उसका किरदार इस तरह से लिखा हुआ था कि उसे पढ़कर मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ, जिसके बाद मैंने सोचा कि अगर इस किरदार के लिए मुझे ऑडिशन देने का मौका मिले, तो मैं जरूर दूंगी। लेकिन मैंने ये बात बस अपने तक ही रखी और किसी को नहीं बताई थी। 2 दिन बाद कास्टिंग टीम से फोन आया कि डायरेक्टर्स चाहते हैं कि मैं 'कैरोल' के लिए ऑडिशन दूं। फिर मैंने ऑडिशन दिया और तुरंत मेरा सिलेक्शन हो गया। सेलेक्ट होने के बाद पैडी ने मुझे पूरी कहानी सुनाई। उस दिन शायद पहली बार ऐसा हुआ कि मैं अजनबियों के सामने रो पड़ी थी, क्योंकि फिल्म ने मेरे दिल को छू लिया था। उसी वक्त मुझे पक्का हो गया था कि मुझे ये फिल्म करनी ही है।' अभिनेत्री ने अपने पिछले किरदारों के लुक की तुलना इस किरदार से करते हुए कहा कि 'कैरोल सेक्वेराका' का किरदार उनके पिछले किरदारों से ज्यादा ग्लैमरस है। उन्होंने कहा, 'फिल्म 'जलसा' में मैंने एक मलयाली पत्रकार का रोल किया था। उसमें मेरा लहजा बहुत भारी था, कोई मेकअप नहीं किया था और बाल भी काफी ज्यादा थे। 'द डिप्लोमैट' में मैंने एक पंजाबी एंबेसी ऑफिसर का किरदार निभाया था, जिसमें मैं फॉर्मल कपड़े पहनती थी, लेकिन इस फिल्म में मैं बिल्कुल मुंबई की लड़की जैसी लग रही हूं। मेरे घुंघराले बाल हैं और मेरा लहजा भी नॉर्मल है।' अभिनेत्री ने आगे अपनी अब तक की जर्नी के बारे में बताया कि उनके करियर की रफ्तार काफी धीमी रही है। उन्होंने कहा, 'शिद्दत में मैंने एक छोटा रोल किया था। फिर जलसा में मेरा रोल अहम था, उसके बाद द डिप्लोमैट में भी लीड रोल किया और अब इस फिल्म में मैं पूरी लीड कर रही हूं। मेरा करियर धीरे-धीरे आगे बढ़ा है, लेकिन ऐसा लगता है जैसे मैं एक सही सीढ़ी चढ़ रही हूं। धीरे-धीरे ही सही, लेकिन लगातार।'

चुंबक से कॉमेडी में कदम रख रहीं हैं संदीपा धर

मुंबई अभिनेत्री संदीपा धर अपनी आगामी वेब सीरीज 'चुंबक' के साथ अभिनय का एक नया पहलू दर्शकों के सामने लाते हुए पहली बार कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हैं। उनका मानना है कि इस शैली में उनकी शुरुआत बिल्कुल उसी तरह के हास्य के साथ हो रही है, जिसका वह हमेशा हिस्सा बनना चाहती थीं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, 'ये बात बिल्कुल सही है कि मैंने पहले कभी आउट एंड आउट कॉमेडी नहीं की है, खासकर इस तरह की कॉमेडी तो बिल्कुल नहीं। हालांकि मैंने हमेशा से सोचा था कि अगर मुझे कॉमेडी करनी है, तो वह आतिश और जेडी जैसी कॉमेडी हो, और मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मुझे वही मिला।' गौरतलब है कि संदीपा धर के लिए 'चुंबक' सिर्फ एक नई शैली में काम करने का एक मौका नहीं है, बल्कि यह कॉमेडी को एक अलग और ताजे अंदाज में समझने और प्रस्तुत करने का मौका भी है। वह इस बात को लेकर बेहद खुश हैं कि उन्हें इस शो का हिस्सा बनने का अवसर मिला। इस सिलसिले में वे कहती हैं, 'मैं बहुत खुश हूँ कि उन्होंने मुझे 'चुंबक' का हिस्सा बनाया और निश्चित रूप से नेटफ्लिक्स का भी शुक्रिया, जिसने इस तरह के प्रोजेक्ट को अपना समर्थन दिया। पर्सनली मैं अगर आतिश और जेडी सर की बात करूं तो एक दर्शक के तौर पर मुझे उनके पिछले शोज़ बहुत पसंद आए हैं। स्पेशियलि, एक मिलेनियल होने के नाते मैं खुद भी अब कुछ ऐसा ही देखना चाहती थी। इसलिए मैं सच में बहुत खुश हूँ कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला।' वैसे ये बात उनके दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प है कि 'चुंबक' के साथ कॉमेडी की दुनिया में अपनी नई शुरुआत कर रही संदीपा धर का ये अंदाज कितना लुभावना होगा।

हिमांशी खुराना ने लगाई आसिम पर आरोपों की झड़ी, सोशल मीडिया पर किया पलटवार

हिमांशी खुराना और आसिम रियाज के बीच जुबानी जंग चल रही है। यह विवाद बीते कुछ दिनों में ही काफी बढ़ गया है। आसिम की पोस्ट के बाद अब हिमांशी ने सोशल मीडिया के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें जवाब दिया है।

हिमांशी ने पोस्ट में क्या लिखा?

हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया के जरिए आसिम का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने कभी धर्मांतरण का मुद्दा नहीं उठाया। इसके साथ ही आसिम द्वारा अपने स्वास्थ को लेकर रही की गई बातों पर भी प्रतिक्रिया दी। हिमांशी ने लिखा - मैंने किसी पर जबरन धर्मांतरण का आरोप नहीं लगाया। मैंने हमेशा सार्वजनिक रूप से अपनी निजी जीवन को साझा करते समय सम्मान और सावधानी बरती है। हर चीज चाहे वह बिग बॉस का अनुभव हो, मेरी आध्यात्मिक यात्रा हो, या मेरी सेहत से जुड़े मामले हों, मैंने सम्मान बनाए रखा। मैंने अपने जीवन के इन पहलुओं को ईमानदारी से साझा किया है। कभी भी किसी का अपमान करने के लिए उपयोग नहीं किया। मैंने अपना पक्ष हमेशा मजबूती के साथ रखा है।

हेल्थ पर की गई टिप्पणी पर बोलीं

आसिम रियाज ने हिमांशी की हेल्थ से जुड़ी भी कई बातें कहीं थीं। इन पर हिमांशी ने कहा, 'जहां तक मेरे स्वास्थ्य का मज़ाक उड़ाया जाता है और मेरे संघर्षों पर सवाल किए जाते हैं, तो मुझे लगता है कि अब एक सीमा तय करने का समय आ गया है। मुझे भी सब कुछ बता देना चाहिए।'

सारे सबूत मेरे पास भी हैं

आगे हिमांशी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अगर हम सबूतों की बात करने जा रहे हैं, तो चलिए सब पर बात करते हैं। मेरे पास मेरे साथ हुई हिंसा से संबंधित तथ्य और सबूत हैं। उम्मीद है आपको 27.11.23 की वह सुबह याद होगी, मैं उसे भी साझा करने के लिए तैयार हूं। अगर आप मेरी छवि खराब करना चाहते हैं, तो अब मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो आपकी तथाकथित छवि बचाने के लिए चुपचाप सब कुछ छुपाती रहूंगी, या बार-बार अपमानित और अनादर किए जाने पर भी चुप रहूंगी।'

लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया

हिमांशी खुराना ने अप्रत्यक्ष रूप से आसिम रियाज पर निशाना साधा। उन्होंने आगे लिखा, 'अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस और चैनल के लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया, लेकिन मैं अब उनके जैसी नहीं हूं। मैंने अपनी गरिमा बनाए रखी है और सम्मान दिखाया है, और बदले में मैं भी यही उम्मीद करती हूं। अगर उस सम्मान का प्रतिफल नहीं मिलेगा, तो मेरे पास अब चुप रहने का कोई कारण नहीं है। अगर आप 'सबूत' का खेल खेलना चाहते हैं, तो चलिए इसे ईमानदारी से खेलते हैं। तथ्यों, जवाबदेही और पूरी सच्चाई के साथ।'
इससे पहले आसिम रियाज ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हिमांशी को सभी आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने कभी हिमांशी को धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया। इसके साथ ही उन्होंने हिमांशी की स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों की वजह भी बताई थी।

सीईओ जिपं ने लिया योजनाओं की प्रगति का जायजा, गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित करने दिए निर्देश

आंगनबाड़ी केंद्र, कुक्कुट पालन, ग्राम पंचायत भवन और प्रधानमंत्री आवास का किया निरीक्षण, महिला समूहों की आजीविका गतिविधियों की ली जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उज्ज्वल पोरवाल एवं जनपद पंचायत सीईओ सुश्री शुभांगी गुप्ता ने मैदानी भ्रमण के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, योजनाओं के क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान छुरिया आंगनबाड़ी केंद्र के निमार्णाधीन भवन का जायजा लिया गया। जिला पंचायत सीईओ ने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए इसे गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य में अभिसरण की स्थिति एवं लंबित भुगतान के संबंध में भी जानकारी ली। कार्य से संबंधित भुगतान नियमानुसार तीन चरणों में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आंगनबाड़ी

केंद्र की बाउंड्री, परिसर एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया।

इसके बाद कुंजामटोला स्थित कुक्कुट पालन का निरीक्षण किया गया। यहां उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों से चर्चा कर कुक्कुट पालन गतिविधि से होने वाली आय एवं आजीविका की जानकारी ली। जिला पंचायत सीईओ ने महिला समूहों को अधिक से अधिक आजीविका गतिविधियों से जोड़ने तथा उनकी आय में वृद्धि कर उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध आजीविका के अवसरों का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए।

कुंजामटोला ग्राम पंचायत भवन के निरीक्षण के दौरान कार्यालयीन व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, अभिलेखों एवं फाइलों के व्यवस्थित रख-रखाव का जायजा लिया गया। ग्राम पंचायत भवन में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी, महत्वपूर्ण हेल्पलाइन एवं आवश्यक संपर्क नंबरों से संबंधित वॉल पेंटिंग एवं प्रदर्शन को अद्यतन एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही ग्राम के चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया।

मैदानी निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही के घर पहुंचकर आवास निर्माण की प्रगति एवं किश्त भुगतान की जानकारी ली गई। हितग्राही ने बताया कि आवास निर्माण के लिए आवश्यक किश्तों का भुगतान उसे समय पर प्राप्त हुआ है। जिला पंचायत सीईओ ने हितग्राही को आवास निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ उज्ज्वल पोरवाल ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना प्राथमिकता है। योजनाओं एवं विकास कार्यों के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यालयीन व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने तथा आमजन को शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

खास खबर

बेमेतरा में शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा का हुआ अनावरण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

शहर में शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा का अनावरण डिप्टी सीएम एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने किया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा सहित जनप्रतिनिधि और विभिन्न समाजों के लोग मौजूद रहे। प्रतिमा स्थापित होने के साथ ही चौक का नाम अब शहीद वीर नारायण सिंह चौक कर दिया गया। कार्यक्रम में शहीद वीर नारायण सिंह के त्याग, वीरता और देशभक्ति को याद कर श्रद्धांजलि दी गई।

सेना भर्ती रैली 12 व 14 अक्टूबर को सागर में

मोहला। सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों के कॉमन एंट्रेंस एग्जाम में सफल उम्मीदवारों के लिए सिपाही फार्मा, सिपाही तकनीकी नर्सिंग सहायक एवं अग्निवीर महिला सेना पुलिस पदों की भर्ती रैली इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर (मध्यप्रदेश) में आयोजित की जाएगी। सिपाही फार्मा एवं तकनीकी नर्सिंग सहायक के लिए 12 अक्टूबर 2026 को प्रातः 3 बजे तथा अग्निवीर महिला सेना पुलिस के लिए 14 अक्टूबर 2026 को प्रातः 5 बजे रिपोर्टिंग निर्धारित है।

योग्य उम्मीदवारों के प्रवेश पत्र Join Indian Army वेबसाइट एवं ई-मेल पर भेजे जा चुके हैं। उम्मीदवार एडमिट कार्ड, आवश्यक दस्तावेज एवं आधार कार्ड से लिंक मोबाइल साथ लेकर उपस्थित हों। भर्ती संबंधी जानकारी के लिए सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के आधिकारिक व्हाट्सऐप चैनल https://whatsapp.com/channel/0029VbDYBf65yD7ybzaLN3F से जुड़ सकते हैं अथवा 0771-2965212, 2965214 पर संपर्क कर सकते हैं। सेना भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं योग्यता आधारित है, इसलिए उम्मीदवार दलालों से सावधान रहें।

शासकीय जमीन पर कब्जा, सरपंच ने कलेक्टर से की सख्त कार्रवाई की मांग

बेमेतरा। जिले के बेरला विकासखंड अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बसनी में शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे का एक बड़ा मामला सामने आया है। पंचायत की सरपंच प्रीति यदु ने जिला कलेक्टर से लिखित शिकायत कर करीब 10 से 12 एकड़ शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गुहार लगाई है।

तहसीलदार के आदेश के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई : शिकायत में सरपंच ने आरोप लगाया है कि इस मामले में पूर्व में तहसीलदार द्वारा अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। बावजूद इसके, तय तारीख 10 दिसंबर 2025 तक जमीन से कब्जा नहीं हटाया गया। स्थानीय लोगों और पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रशासन की सुस्ती के चलते अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हो गए और देखते ही देखते शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा 10 से 12 एकड़ तक फैल गया।

भूतपूर्व सरपंच पर लगे गंभीर आरोप : सरपंच प्रीति यदु ने इस पूरे मामले के पीछे ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच पुनाराम पाठक को मुख्य जिम्मेदार ठहराया है। उनका आरोप है कि सबसे पहले भूतपूर्व सरपंच ने ही शासकीय जमीन पर अतिक्रमण की शुरूआत की थी। इसके साथ ही बिना किसी वैध पंचायत प्रस्ताव के नियमों को ताक पर रखकर जमीन के पट्टे बांटने के भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले के तूल पकड़ने के बाद अब ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों की नजरें जिला प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं, देखना होगा कि प्रशासन इस बड़े पैमाने पर हुए शासकीय भूमि के अतिक्रमण पर क्या और कब तक सख्त रुख अपनाता है।

वार्ड-22 के दरी तालाब के सौंदर्यीकरण की मांग, भाजपा नेता भानुप्रताप सिंह ने सौंपा ज्ञापन

दरी तालाब (मां शीतला तालाब) के सौंदर्यीकरण का मामला

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 22 कुरूद बस्ती स्थित दरी तालाब (मां शीतला तालाब) के सौंदर्यीकरण एवं विकास को लेकर भाजपा नेता भानुप्रताप सिंह की अगुवाई में निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया।

भानुप्रताप सिंह ने बताया कि दरी तालाब क्षेत्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण जलस्त्रोत होने के साथ-साथ धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पूजा-अचर्ना एवं अर्घ्य देने पहुंचते

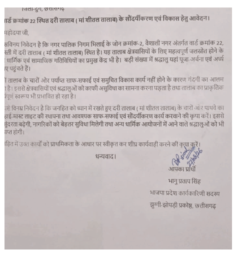

जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़

ार्ड क्रमांक 22 स्थित दरी तालाब (मां शीतल तालाब) के सौंदर्यीकरण एवं विकास हेतु आवेदन।

महोदया जी,

सविनय निवेदन है कि नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक-2, वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 22, स्ती में दरी तालाब (मां शीतल तालाब) स्थित है। यह तालाब क्षेत्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण जलस्रोत होने के धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र भी है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना एवं अर्घ्य ए पहुंचते हैं।

ें तालाब के चारों ओर पर्याप्त साफ-सफाई एवं समुचित विकास कार्य नहीं होने के कारण गंदगी का आलम है। इससे क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है तथा तालाब का प्राकृतिक पूर्ण स्वरूप भी प्रभावित हो रहा है।

से विनम्र निवेदन है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए दरी तालाब (मां शीतल तालाब) के चारों ओर पाथवे का हाई-मास्ट लाइट की स्थापना तथा आवश्यक साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण कार्य करवाने की कृपा करें। इससे सुंदरता बढ़ेगी, नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी तथा अन्य धार्मिक आयोजनों में आने वाले श्रद्धालुओं को भी प्त होगी।

हित में उक्त कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कर शीघ्र कार्यवाही करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

आपका प्रार्थी
भानु प्रताप सिंह
भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य
झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़

हैं। लेकिन वतर्मान में तालाब के चारों ओर साफ-सफाई और समुचित विकास कार्य नहीं होने से गंदगी का आलम है, जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा हो रही है। ज्ञापन में मांग की गई है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए तालाब के चारों ओर पाथवे का निर्माण, हाई-मास्ट लाइट की स्थापना तथा आवश्यक साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराया जाए। भानुप्रताप सिंह ने कहा कि सौंदर्यीकरण से न केवल क्षेत्र की सुंदरता बढ़ेगी बल्कि धार्मिक आयोजनों में आने वाले श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिलेगी। निगम प्रशासन ने मांग पर शीघ्र कार्वाई का आश्वासन दिया है।

शिक्षकों की कमी व अधूरी सड़क से आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया चक्काजाम, महापौर के आश्वासन पर खुला रास्ता

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव-खैरागढ़ मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम गठुला में रविवार दोपहर उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब तीन गांवों (तुमड़ीलेवा, भाठागांव और भेड़ीकला) के सैकड़ों ग्रामीणों ने प्रशासनिक उपेक्षा से नाराज होकर मुख्य सड़क पर चक्काजाम कर दिया। सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही राजनांदगांव महापौर मधुसूदन यादव तत्काल मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर विभागीय अधिकारियों से बात की। महापौर की समझाइश और त्वरित कार्रवाई के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया, जिसके बाद यातायात बहाल हो सका।नए स्थान तलाशें

ग्रामीणों ने महापौर को बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत मार्च 2026 में गठुला से भेड़ीकला, भांठागांव, तुमड़ीलेवा होकर बघेरा तक सड़क निर्माण शुरू हुआ था। बारिश शुरू होते ही ठेकेदार और विभाग ने काम अधूरा छोड़ दिया। वर्तमान में सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिनमें पानी भरने के कारण रोजाना दुर्घटनाएं हो रही हैं।

ग्रामीणों का दूसरा बड़ा गुस्सा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला भेड़ीकला में शिक्षकों की कमी को लेकर था। ग्रामीणों का कहना था कि पर्याप्त शिक्षक न होने से बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है और कई बार शिकायत के बाद भी शिक्षा विभाग ने ध्यान नहीं दिया।

महापौर मधुसूदन यादव ने मौके से ही संबंधित विभागों के अधिकारियों से फोन पर कड़ा रुख अपनाते हुए बात की। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि अगले 3 दिनों के भीतर सड़क के सभी गड्ढों को मलबे से पटा जाएगा और बारिश खत्म होते ही डामरीकरण का काम पूरा कराया जाएगा। महापौर सोमवार को स्वयं भेड़ीकला स्कूल पहुंचकर छात्रों व स्टाफ से बात करेंगे और 1 सप्ताह के भीतर वैकल्पिक शिक्षकों की तैनाती सुनिश्चित करेंगे। महापौर के सकारात्मक और सहयोगात्मक रुख को देखते हुए ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया और मार्ग पर आवागमन फिर से सुचारू रूप से शुरू हो गया।

उड़िसा से गांजा लाकर राजनांदगांव में खपाने की थी योजना, तीन युवक में पकड़ाए

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन निश्चय के तहत महासमुंद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट पर सघन वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक डिजायर कार से 12.260 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। मामले में कार सवार तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने गांजा, कार और चार मोबाइल फोन सहित कुल 11 लाख 40 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस के मुताबिक जिले में गांजा सहित अन्य अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट बैरियर पर आने-जाने वाले वाहनों की सघन

जांच की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ओडिशा की ओर से एक सफेद रंग की डिजायर कार क्रमांक CG 08 BF 7700 में कुछ लोग गांजा लेकर आ रहे हैं।

सूचना मिलते ही चेक पोस्ट पर तैनात पुलिस टीम को अलर्ट किया गया। कुछ देर बाद संदिग्ध डिजायर कार चेक पोस्ट पर पहुंची, जिसे पुलिस टीम ने रोक लिया। कार में तीन युवक सवार थे। पूछताछ में तीनों ने खुद को राजनांदगांव का निवासी बताया। पुलिस ने कार की सघन तलाशी ली तो उसमें 12.260 किलो गांजा बरामद हुआ। इसके बाद तीनों युवकों से कड़ाई से पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने बताया कि वे गांजा ओडिशा के पदमपुर-जोगीमुड़ा क्षेत्र से खरीदकर लाए थे और इसे राजनांदगांव ले जाकर खपाने की योजना थी।

पुलिस ने मामले में खिलेश मंडावी पिता लीला राम उम्र 29 वर्ष निवासी दुर्गा चौक मनोहर पान ठेला राजनांदगांव, अजय मार्कण्डेय पिता कृष्ण मार्कण्डेय उम्र 26 वर्ष निवासी मलाईडाबरी हाल तुलसीपुर थाना सिटी कोतवाली राजनांदगांव और प्रेम दास मानिकपुरी पिता कमलेश दास मानिकपुरी उम्र 19 वर्ष निवासी रानीसागर थाना बसंतपुर राजनांदगांव को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से बरामद 12.260 किलो गांजा की अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई गई है। इसके अलावा करीब 5 लाख रुपए कीमत की डिजायर कार और लगभग 40 हजार रुपए कीमत के चार मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार जब्त की गई पूरी संपत्ति की अनुमानित कीमत 11 लाख 40 हजार रुपए है। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। पुलिस अब गांजा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और इसकी सप्लाई चेन के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

आर्थिक सब्बल | प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से श्रीमती प्रेमीन बाई ने शुरू किया जनरल स्टोर्स, हर माह हो रही लगभग 30- 40 हजार रुपए की आय

मेहनत, हुनर और सरकारी सहयोग से साकार हुआ स्वरोजगार का सपना

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना बेरोजगार युवाओं एवं इच्छुक उद्यमियों को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है। योजना से लाभान्वित ग्राम गोटाटोला निवासी श्रीमती प्रेमीन बाई कुंभकार ने बैंक ऋण की सहायता से अपना जनरल स्टोर्स व्यवसाय शुरू कर न केवल स्वरोजगार की राह चुनी, बल्कि अपने परिवार के लिए आर्थिक संबल भी बनी हैं।

श्रीमती प्रेमीन बाई कुंभकार ने स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार की तलाश शुरू की थी। इसी दौरान उन्हें दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना की जानकारी मिली। उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी से संपर्क कर योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र में आवेदन प्रस्तुत किया। विभाग द्वारा उनका प्रकरण

संबंधित ग्रामीण बैंक गोटाटोला को भेजा गया। बैंक द्वारा प्रकरण स्वीकृत करते हुए 5 लाख रुपए का ऋण प्रदान किया गया।

ऋण राशि का उपयोग कर श्रीमती प्रेमीन बाई ने अपने गांव में जनरल स्टोर्स की शुरूआत की। आज उनका व्यवसाय बेहतर ढंग से संचालित हो रहा है और उन्हें इससे लगभग 30- 40 हजार रुपए प्रतिमाह आय प्राप्त हो रही है। व्यवसाय के माध्यम से वे अपने परिवार के भरण-पोषण एवं आजीविका को मजबूती प्रदान कर रही हैं। साथ ही, उन्होंने अपनी दुकान में एक व्यक्ति को रोजगार भी उपलब्ध कराया है। श्रीमती प्रेमीन बाई कुंभकार बताती हैं कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ने उन्हें अपना उद्यम स्थापित करने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। योजना के माध्यम से मिले ऋण एवं मार्गदर्शन से उनका स्वरोजगार का सपना साकार हुआ है। अब वे भविष्य में अपने व्यवसाय का विस्तार कर अधिक लोगों को रोजगार देने की इच्छा रखती हैं। उन्होंने योजना के संचालन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद ज्ञापित किया।

संघर्ष से सफलता तक, युवाओं के लिए बनी प्रेरणा की मिसाल

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम केवल ऋण उपलब्ध कराने की योजना नहीं, बल्कि बेरोजगार युवाओं एवं इच्छुक उद्यमियों को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। श्रीमती प्रेमीन बाई कुंभकार की सफलता एक प्रत्यक्ष उदाहरण है कि उचित मार्गदर्शन, मेहनत और सरकारी योजनाओं के सहयोग से स्वरोजगार के सपने को हकीकत में बदला जा सकता है।

एसडीएम के आदेश के बाद भी नहीं मिला फसल का हक, महिला ने कलेक्टर जनदर्शन में लगाई गुहार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा-नवागढ़

नवागढ़ तहसील के ग्राम कुंआ में जमीन और फसल को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। ग्राम कुंआ निवासी लक्ष्मीन बाई, पति हेमराम साहू ने आरोप लगाया है कि उनकी भूमि पर लगी फसल को दूसरे लोगों द्वारा काटकर ले जाया गया। मामले में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नवागढ़ द्वारा 23 दिसंबर 2024 को आदेश जारी कर संबंधित फसल को आवेदिका के पक्ष में सुपुर्द किए जाने के निर्देश दिए गए थे।

आवेदिका का कहना है कि आदेश के बावजूद उन्हें फसल या उसकी कीमत का लाभ नहीं मिल पाया। इसके बाद उन्होंने कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में आवेदन देकर एसडीएम के आदेश का पालन कराने और उन्हें फसल अथवा उसकी कीमत दिलाने की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि चैतराम, कोंदा एवं भीखूराम द्वारा संबंधित भूमि की फसल काटकर ले जाई गई। वहीं, आवेदिका ने तहसीलदार एवं थाना प्रभारी द्वारा एसडीएम के आदेश का पालन नहीं किए जाने की शिकायत भी की है। अब सवाल यह है कि राजस्व अधिकारी के आदेश के बाद भी यदि आदेश का पालन नहीं हुआ, तो जिम्मेदारी किसकी है? आवेदिका ने प्रशासन से मामले में कार्रवाई कर न्याय दिलाने की मांग की है।

ऑपरेशन आघात : जशपुर पुलिस को बड़ी सफलता, 60 किलो गांजा के साथ अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत जशपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना बागबहार क्षेत्र में पुलिस ने 60 किलो अवैध गांजा और तस्करी में प्रयुक्त वेन्यू कार के साथ एक अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। जब्त माल और वाहन की कुल कीमत करीब 40 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस को टेक्निकल टीम और मुखबिर से सूचना मिली थी कि उड़ीसा से वढ नंबर की एक वेन्यू कार में भारी मात्रा में गांजा उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। सूचना पर उक्क्ष्व ररढ डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में बागबहार पुलिस ने नाकाबंदी की। आज तड़के 4 से 5 बजे के बीच गांधी चौक बागबहार में संदिग्ध कार वढ-91-व 6302 को रोककर तलाशी ली गई।

तलाशी में डिक्की से टेप से लिपटे 60 पैकेट में 60 किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपी ने अपना नाम विकास चौधरी उम्र 27 वर्ष, निवासी समस्तीपुर बिहार, वतर्मान निवास गाजियाबाद उत्तर प्रदेश बताया। पुलिस ने बताया कि आरोपी उड़ीसा से गांजा लेकर यूपी जा रहा था। उसके खिलाफ थाना बागबहार में ठउ्धर एक्ट की धारा 20(इ)(उ) के तहत अपराध दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस नेटवर्क की एंड-टू-एंड जांच कर रही है। गांजा 60 किलो, कीमत करीब 30 लाख रुपये, वेन्यू कार कीमत करीब 10 लाख रुपये, कुल 40 लाख की जब्ती। कार्रवाई में रउ्ढ पत्थलगांव डॉ. ध्रुवेश जायसवाल, ऊरढ शुभम तिवारी, थाना प्रभारी ललित यादव और साइबर टीम का विशेष योगदान रहा। डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि नशे के सौदागरों को बख्शा नहीं जाएगा, ऑपरेशन आघात लगातार जारी रहेगा।

कोर्ट-थाने में अब 'चरित्रहीन' 'वेश्या' जैसे शब्द नहीं, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद छत्तीसगढ़ में न्याय व्यवस्था का नया दौर

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

प्रदेश की अदालतों की कार्यशैली, फैसलों की भाषा और पुलिस के एफआईआर को ड्राफ्टिंग में अब ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए ऐतिहासिक दिशा-निदेर्शों के बाद कोर्ट ने राज्य की अदालतों और प्रशासन के लिए विस्तृत हैंडबुक और आदेश जारी कर दिए हैं। प्रदेश के सभी 24 जिला एवं सत्र न्यायालयों स्टेट ज्यूडिशियल एकेडमी, राज्य व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुख्य सचिव गृह विभाग, डीजीपी और महिला एवं बाल विकास विभाग को आदेश का कापी भेजकर तत्काल पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आपराधिक पुनरीक्षण मामले में का गई असंवेदनशील और आपत्तिजनक टिप्पणियों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया था। इसके बाद रिटायर्ड जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय उच्चस्तरीय कमेरी गलित की गई। कमेटी की रिपोर्ट जजमेंट एंड जेंडर स्टेविटी एंड कम्पेशन इन राइटिंग जजमेंट को सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश की अदालतों में अनिवार्य रूप से लागू करने का आदेश दिया है। अब कुछ पुराने शब्दों रखेल और ह्यचरित्रहीनह्न जैसे शब्द की जगह संवेदनशील शब्दों का इस्तेमाल लोगा। गवाहों को मेहमान का दर्जा दिया जाएगा।

अदालतों में गवाह को ह्यमेहमानह्न का दर्जा मिले- अदालत में आने वाले पीड़िता और गवाहों को कई- कई घंटे इंतजार कराकर प्रताड़ित न किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के तहत उन्हें कोर्ट में

कुर्सी, पानी और सम्मानजनक माहौल उपलब्ध कराया जाए। 2. एफआईआर और चार्जशीट की भाषा बदलेगी डीजीपी को निर्देश दिया गया है कि थानों में एफआईआर दर्ज करते समय या चार्जशीट बनाते समय महिलाओं के पहनावे, चाल-चलन या चरित्र को लेकर रूढ़िवादी और आहत करने वाले शब्दों का प्रयोग पूरी तरह बंद किया जाए। 3. इन कैमरा ट्रायल और सपोर्ट पर्स यौन अपराधों और पॉक्सो मामलों की सुनवाई बंद कमरे में होगी। पीड़िता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। 4. न्यायाधीशों और पुलिस अफसरों की होगी ट्रेनिंग, बिलासपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी को सभी न्यायिक अधिकारियों, सरकारी वकीलों और पुलिस अधिकारियों के लिए विशेष ओरिएंटेशन और संवेदनशीलता कार्यशालाएं आयोजित करने का जिम्मा सौंपा गया है। 5. अंतरिम मुआवजा तुरंत मिले, यौन उत्पीड़न और एसिड अटैक की पीड़िताओं को नालसा विक्टिम कंपनसेशन स्कीम 2018 के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से त्वरित अंतरिम राहत राशि और पुनर्वास सहायता देने के निर्देश दिए गए हैं।

निचली अदालतों से लेकर हाई कोर्ट तक यौन अपराधों के मामलों में पुरानी और असंवेदनशील भाषा का इस्तेमाल हो रहा था। अदालतों और पॉलिस धानों में पीड़िता के कपड़ों, चरित्र या व्यक्तिगत जीवन पर सवाल उठाकर अक्सर उसका ही मानसिक शोषण किया जाता था, जिससे कई पीड़ित शिकायत दर्ज कराने से डरते थे। साथ ही हवस या लाचार महिला जैसे शब्द अपराध की गंभीरता को कम करते थे। न्याय व्यवस्था को संवेदनशील, गरिमापूर्ण भयमुक्त और पीड़ित-केंद्रित बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर से लेकर फैसलो तक ऐसी रूढ़िवादी भाषा पर रोक लगाकर स्थ और सम्मानजनक शब्द अनिवार्य किए हैं।

BSP में डिजिटल पहल : सेल ऑफर्स के लिए डिजिटल साइनिंग मॉड्यूल का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में ग्राहक सेवा को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। सेल ऑफर्स के लिए डिजिटल साइनिंग मॉड्यूल का शुभारंभ रविवार को इस्पात भवन में किया गया।

कायर्पालक निदेशक सामग्री प्रबंधन ए के चक्रवर्ती ने मॉड्यूल का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्य महाप्रबंधक सामग्री प्रबंधन एवं विपणन अयान मिश्रा, महाप्रबंधक विपणन चैताली दास सहित विपणन और सी एंड आईटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

चक्रवर्ती ने विपणन और सी एंड आईटी टीम को बधाई देते हुए ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए और अधिक डिजिटल पहलों पर जोर दिया। अब तक एम एंड बीपी विभाग द्वारा जारी सेल ऑफर्स पर मैनुअल हस्ताक्षर होते थे। मेटल जंक्शन द्वारा भौतिक रूप से ऑफर्स लेकर हस्ताक्षर कराए जाते थे और फिर ग्राहकों को भेजा जाता था।

नई व्यवस्था में अधिकृत विपणन कायर्पालकों के डिजिटल सिग्नेचर युक्त सेल ऑफर्स सीधे ई-मेल से ग्राहकों और एमजंक्शन को भेजे जा सकेंगे। इससे प्रक्रिया तेज, पेपर-लेस और छेड़छाड़-रहित होगी। इस मॉड्यूल को महाप्रबंधक शुभा बंछोर, उप प्रबंधक शैलेश दुबे, उप महाप्रबंधक चंद्रकली साहू और दीपमाला ने विकसित किया है। कार्यक्रम में शुभा बंछोर ने इसकी कार्यप्रणाली पर प्रस्तुति दी।

राजनांदगांव में साढ़े 6 साल का कायर्काल अविस्मरणीय रहा : डॉ. उषा किरण बड़ाईक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संयुक्त संचालक जनसंपर्क डॉ. उषा किरण बड़ाईक का राजनांदगांव से जनसंपर्क संचालनालय नवा रायपुर स्थानांतरण होने पर जिला जनसंपर्क कार्यालय में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।

इस अवसर पर अधिकारी-कमर्चारियों ने उनकी उत्कृष्ट कायर्शैली और सौम्य, सरल व्यवहार की प्रशंसा करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। `२डॉ. बड़ाईक ने कहा कि राजनांदगांव में साढ़े 6 वर्षो तक कार्य करना जीवन के अविस्मरणीय पलों में से एक रहा। जनसंपर्क विभाग शासन की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसके लिए टीम भावना जरूरी है। उन्होंने सभी को कौशल अपग्रेड करने और लगन से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। अधिकारी-कमर्चारियों ने भी उनके साथ कार्य करने के अनुभव साझा किए और कहा कि उनका मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहा। इस अवसर पर सहायक सूचना अधिकारी प्रवीण रंगारी, भूपेन्द्र साहू, देवाशीष झा, शिव साहू, पुरुषोत्तम देवांगन, हिमांशु साहू व लेखराम साहू उपस्थित रहे।

रायपुर कमिश्नरेट की बड़ी कार्रवाई आदतन अपराधी जिलाबदर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने आदतन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 2 कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर कर दिया है। दोनों पर हत्या के प्रयास, दुष्कर्म, अवैध हथियार, मारपीट और नशा तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत यह आदेश जारी किया है। विकास उर्फ भीम उर्फ रावण मधुकर पिता रामसेवा मधुकर, उम्र 26, निवासी इंदिरा नगर बीरगांव, थाना उरला। आरोपी 2018 से अपराध में सक्रिय है। थाना उरला में नाबालिग से दुष्कर्म, मारपीट, धमकी, अवैध हथियार और जुआ के 9 प्रकरण दर्ज हैं। इसे रायपुर, दुर्ग, धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिलों से 3 माह के लिए निष्कासित किया गया है। ओम दुबे उर्फ प्रथम दुबे - * पिता राजीव दुबे, उम्र 25, निवासी मोतीलाल नगर सरस्वती नगर, थाना डीडी नगर।

''यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के